प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

अपने बच्चों को अमीर बनने के लिए शिक्षित न करें, उन्हे खुश रहने के लिए शिक्षित करें ताकि जब वे बड़े हो जाएं तो उन्हें चीजों की कीमत पता चले, ना कि मूल्य।

रतन टाटा

वर्ष-05, अंक-08 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 24 नवम्बर 2022 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

विचार नये हो लेकिन संस्कार पुराने ही अच्छे...

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

साहित्य और सिनेमा को समाज का दर्पण कहा गया है और साहित्य से ही समाज के बारे में अनुमान लगाया जा सकता है। हमारी भारतीय संस्कृति विविधताओं से भरी है और उसी संस्कृति के हमारे सौलह संस्कार वर्तमान 21वीं सदी में भी न केवल प्रांसगिक है वरन् अनुकरणीय भी है। इसलिए कहा गया है कि, विचार भले ही नये हो लेकिन संस्कार आज भी पुराने ही अच्छे है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में नई पीढ़ी में संस्कारों का भी पतन हुआ है जिसका जिम्मेदार न केवल हमारा समाज वरन समाज का आईना सिनेमा भी है। आधुनिक युग की परम आवश्यक चीज मोबाइल और कंप्यूटर भी है। इन्हीं मोबाइल और कंप्यूटर के माध्यम से पाश्चात्य संस्कृति का भारतीय संस्कृति पर प्रभाव तेजी से बढ़ता जा रहा है और आज का युवा आधुनिकता के नाम पर संस्कारो को भूलता जा रहा है।

''लिव इन रिलेशन'' को भारतीय संस्कृति में कभी भी सही नहीं कहा जा सकता है। लेकिन आधुनिकता की इस अंधी दौड़ में यह बीमारी भारत में तेजी से फैलती जा रही है। हाल ही में आफ़ताब और श्रद्धा के मर्डर केस के बाद भारत के बुद्धिजीवियों को इस बारे में गहन चिंतन करने की आवश्यकता है कि, आखिर हमारा सभ्य और सुशील देश किस दिशा में जा रहा है...? क्या यही हमारी आधुनिक सोच है जो कि नारी को देवी मानने वाले देश में नारी के 35 टुकड़े करके फेंक दिए जाए...? ऐसा कुकृत्य मानव समाज के लिए कलंक, यह किसी भी धर्म में उचित नहीं है।

विवाह को संस्कार ही रहने दो...

भारतीय संस्कृति में विवाह को एक पवित्र संस्कार कहा गया है। विवाह के पश्चात पति-पत्नी एक पवित्र बंधन में बंध जाते हैं और यह बंधन जन्म जन्मांतर का होता है। लेकिन वर्तमान में टीवी धारावीको में इसे भी दूषित कर दिया है। यही नहीं पारिवारिक रिश्तो की भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। वेब सीरीज के माध्यम से अश्लीलता फैला कर समाज में जहर घोला जा रहा है। देवर-भाभी, ससुर-बहु, जीजा-साली के रिश्तो का मखौल उडाकर एक तरह से भारतीय संस्कृति को ही चुनौती दी जा रही है बावजूद इसके सरकार मूक दर्शक बनी है। समाज और सरकार के नीति निर्माता हाथ पे हाथ धरकर बैठे हैं। सरकार ने भी शिक्षा नीति में नैतिक शिक्षा को खत्म कर दिया है, आज बच्चे के लिए मोबाइल ही सब कुछ है। बच्चे खेल के मैदान से दूर हो चुके है, बच्चे परिवार से दूर हो चुके हैं। यही नहीं बच्चे मानसिक रूप से मोबाइल के गुलाम बन चुके हैं तथा वे अपने अच्छे और बुरे को पहचानने की भी समझ खो चुके हैं।

सरकार को चाहिए कि वे स्कूली शिक्षा में नैतिक शिक्षा को अनिवार्यतः शामिल करें और ÷लिव इन रिलेशन÷ जैसे पाशचात्य रिश्तो पर तत्काल प्रतिबंध लगाकर भारतीय संस्कृति को बर्बाद होने से बचाएं। क्योंकि ये पाश्चात्य संस्कृति बड़े शहरों के बाद छोटे शहरों और गांवों में तेजी से फैल रही है, गांवों को भारत की आत्मा कहा जाता है और यह संस्कृति भारत की आत्मा को चोट पहुंचा रही है। इसलिए सरकार के साथ बच्चों के माता-पिता का भी यह दायित्व है कि वह इस दूषित संस्कृति से अपने बच्चों को बचाएं।

कृषि कर्ज: सीएम शिवराज ने किया बड़ा ऐलान

भोपाल। मध्य प्रदेश की शिवराज सरकार किसानों को बड़ी राहत देने जा रही है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने एलान किया है कि, राज्य सरकार ऐसे डिफाल्टर किसानों की ब्याज राशि की प्रतिपूर्ति करेगी, जिन्होंने राज्य की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए किसानों की कर्ज माफी के वादे के भरोसे अपना कर्ज नहीं चुकाया है। यानी डिफाल्टर किसानों के कर्ज का ब्याज अब सरकार भरेगी। इसे किसानों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। हालांकि, कांग्रेस ने इस फैसले पर चुटकी लेते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि कर्ज पर ब्याज नहीं, वरन पूरा कर्ज ही माफ कर देना चाहिए। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के मोतीलाल नेहरू विज्ञान महाविद्यालय के मैदान से किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि, मध्य प्रदेश में एक सरकार (कमलनाथ के नेतृत्व वाली कांग्रेस नीत सरकार 17 दिसंबर 2018 से 20 मार्च 2020 के) बीच में 15 महीने के लिए कई वादे करके आई थी, जो पूरे नहीं हुए। इसलिए कई किसान डिफाल्टर हो गए। हमने फैसला किया है कि जो किसान (कांग्रेस की) कर्ज माफी की घोषणा के कारण डिफाल्टर हो गए थे, उनके कर्ज का ब्याज हम माफ करेंगे, मतलब हम भरेंगे ताकि किसानों को दिक्कत न हो।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, राज्य सरकार डिफाल्टर किसानों की ब्याज राशि की प्रतिपूर्ति करेगी। उन्होंने कहा कि, किसान की सहमति के बिना उसकी जमीन नहीं ली जाएगी। उन्होंने वादा किया कि किसानों की सहमति से ही उनकी जमीन का अधिग्रहण होगा। मुख्यमंत्री की इस घोषणा पर मध्य प्रदेश कांग्रेस समिति के मीडिया विभाग के अध्यक्ष केके मिश्रा ने कहा कि, अगर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान वास्तव में किसानों का भला करना चाहते हैं तो उन्हें ब्याज नहीं, बल्कि उनका कर्ज माफ करना चाहिए।

आखिर क्या-क्या राज है मधु के पास...? जो शिक्षा के मंदिर एमडीएच स्कूल की प्रतिष्ठा को धूमिल करने के बाद भी संस्था में टिकी हुई है...!

एक बार फिर मधु ने महिला होने का उठाया फायदा, पालकगण व पत्रकार पर झूठे अभद्रता के आरोप लगाकर अपनी चरित्रता का दिया परिचय

इधर एसडीएम व आरटीओ बाट रहे थे ज्ञान, उधर एमडीएच स्कूल प्रशासन बसों में बच्चों को भेड़-बकरी की तरह भरकर ले जा रहे थे स्कूल

पत्रकार से दुर्व्यवहार और मोबाईल छीनने सहित पुरे मामले में अधिकारियो से चर्चा करते हुए पत्रकार संघ के संरक्षक संजय भटेवरा व जिलाध्यक्ष राजेश सोनी।

अधिकारियो के हस्तक्षेप के बाद माफी मांगती मधु परिहार।

मीडिया के सवालो का जवाब देते एसडीएम अनिल राठौर।

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

जिले में एकमात्र वैदिक संस्कारों के साथ शिक्षा प्रदान करने वाली मुख्य संस्था बामनिया महर्षि धर्मपाल स्कूल (एमडीएच) है। जब बामनिया में इसकी नींव रखने की बात आई तो पूरे हर्ष के साथ लोगों ने इसका स्वागत किया और स्कूल की नींव रखने के लिए एमडीएच संस्था को भूमि दान की गई। दान की गई भूमि में बनी उक्त संस्था के साथ बामनिया ही नहीं, बल्कि पेटलावद व थांदला क्षेत्र में हर्ष का माहौल था और उम्मीद थी कि, उक्त वैदिक संस्कारों के साथ शिक्षा प्रदान करने वाली एमडीएच संस्था में पढ़ने वाले बच्चे देश-विदेश में अपना नाम रोशन करने के साथ अच्छे संस्कार भी हासिल करेंगे। लेकिन कहते हैं एक पापी ही पूरी लुटिया को डुबाने के लिए काफी होता है। इसी तर्ज पर मधु नाम की एक महिला उक्त संस्था की लुटिया डूबाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। नतीजन यह महिला एक कर्मचारी मात्र होकर उक्त संस्था को अपने बाप की बपोती मानकर, ऐसा व्यवहार करती है की शायद हर बात लिखने में हमारी कलम भी लज्जित हो जाए।

वेदिक संस्कारों के साथ शिक्षा देने वाली आर्य पद्धति के साथ उक्त संस्था में मधु नाम की विवादित महिला, महिला होने का नाजायज फायदा उठाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ती है। यह बात क्षेत्र ही नहीं बल्कि दिल्ली तक के संस्था से जुड़े ट्रस्टीगण व संचालक मण्डल जानते हैं। बावजूद क्षेत्र में चर्चा है कि, इस वैदिक पद्धति की संस्था व दिल्ली तक के ट्रस्टीगणों की न जाने ऐसी क्या चरित्रताओ का लेखा-जोखा इस संस्था में हुआ है, जिसका इस विवादित मधु नाम की महिला के पास रिकॉर्ड में है। जो उक्त विवादित महिला को हटाने पर कई बड़े राज सामने आने की कवायद क्षेत्र के लोग लगा रहे हैं। जिसके चलते ही संस्था का प्राचार्य उक्त विवादित महिला की कितनी भी बड़ी गलती करने के बाद भी, उनकी गलती को नहीं बता सकते। वही दिल्ली तक के संस्था के ट्रस्टी एवं संचालकों की चुप्पी भी, क्षेत्र में चल रही चरित्रहीनता जैसी चर्चाओं को सत्य साबित कर रही है।

उक्त विवादित महिला का संस्था से जुड़ा रहना संस्था के लिए ही नहीं वरन् संस्था में पढ़ने वाले बच्चे एवं उनके पालकगणों के लिए भी हानिकारक साबित हो रहा है। लेकिन यह विवादित महिला की इस संस्था से रवानगी न होकर अब तक टिकी हुई है, जो भी आम चर्चा का विषय बना हुआ है।

बता दें कि, उक्त विवादित महिला भले ही वैदिक संस्था में कार्यरत हो पर वह पूर्णतः पाश्चात्य संस्कृति को अपनाकर सार्वजनिक रूप से पूर्व में वायरल फोटो के साथ प्रकाशित समाचार होने पर चर्चाओं में रहने वाली उक्त महिला के जिम्मे बसों का मैनेजमेंट भी है। संस्था में इस व्यवस्था को लेकर कई बार बच्चों के साथ हुई दुर्घटना एवं बच्चों को बसों में भेड़-बकरी की तरह भरकर लाने पर पालकगणों द्वारा जब-जब संस्था में शिकायत की गई, तब-तब उक्त महिला ने पालकगणों को उल्टे मुंह ही जवाब देकर महिला होने का रोप झाड़, पालकगणों को डराया गया और आए दिन यह संस्था विवादों के घेरे में घिरी रही है।

इसी कड़ी में बुधवार को एक विवादित मामला और सामने आया, जिसमें उक्त विवादित महिला ने सारी हदें पार कर समस्या के समाधान हेतु गए पालकगणों एवं पत्रकार पर महिला के साथ अभद्रता के साथ अनर्गल करने के झुठे आरोप लगाकर पुलिस चौकी में फोन लगा दिया। इतना ही नही पुलिस को फोन लगाने के बाद विवादित महिला, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता की धमकी देते हुए स्कूल से टीसी निकाल देने तक की धमकी संस्था में दे डाली जो बड़े विवाद का कारण बन गया। मामले में करवड़-घुघरी क्षेत्र के पालकगण करीब 20 दिनों से मौखिक रूप से उक्त मधु मैडम व संस्था प्राचार्य प्रवीण अत्रे को शिकायत की जा रही थी कि, 40 से 45 बच्चों की क्षमता वाली बस में 80 से 100 बच्चों तक भेड़-बकरी की तरह भरकर स्कूल लाया जा रहा है, जिसका समाधान तत्काल किया जाए। लेकिन किसी प्रकार का समाधान नहीं होने पर दो-तीन दिन पूर्व प्राचार्य को लिखित में उक्त समस्या का समाधान हेतु आवेदन दिया और प्राचार्य ने समाधान नहीं करते हुए सीधे मधु मैडम के पास भेज दिया और मैडम ने भी गोलमोल जवाब देकर पालकगणों को रवाना कर दिया।

लिखित में शिकायत करने के बाद भी समाधान नहीं होने पर पालकगण बुधवार को बामनिया के पत्रकारों से मिले और करवड-घुघरी रोड की बस में वास्तविक रूप से कितने-कितने बच्चे बस में भरकर लाते हैं जिसका पत्रकारों को भी बस में बैठे बच्चों का वीडियो करने के साथ बुधवार को रूबरू करवाया, परिचालक से पूछने पर बताया कि, बस में 79 बच्चे हैं। जिसके बाद पालकगण उस पत्रकार के साथ जिनके बच्चे भी इसी एमडीएच स्कूल में ही पढ़ते हैं स्कूल में पहुंचे। चूँकि उक्त विवादित महिला के व्यवहार से भली-भांति पालकगण व पत्रकार जानते थे, नतीजन लिखित शिकायत के बाद भी बच्चों को बसों में भेड़-बकरी की तरह ही भरकर क्यों लाया जा रहा है समस्या के बारे में जानने का प्रयास किया, जिसका मोबाइल से वीडियो भी किया जा रहा था। मैडम की शब्दावली रूपी कारस्तानी वीडियो में कैद होते देखते ही ऐसी भनक गई कि, जानो उनके अनियमितताओं के बड़े कारनामे बाहर उजागर हो जाएंगे।

नतीजन उक्त विवादित महिला ने अपनी पृष्ठभूमि जाहिर करते हुए पुलिस को फोन लगाकर कहने लगी कि, मैं कार्यालय में अकेली महिला बैठी हूं और यह 4-5 लोग मेरे साथ अभद्रता कर रहे, आप जल्दी आओ। जिसके बाद पत्रकार से मोबाइल छीन लिया और पालकगण के साथ उस पत्रकार को भी जिसके बच्चे भी उसी संस्था में पढ़ते हैं को महिला के साथ अभद्रता करने के मामले में उल्टा फंसा दूंगी की धमकी दी गई।

बच्चो को जानवर समझकर बस के बोनट तक भेड़-बकरी की तरह एमडीएच स्कूल की बस में लाया-लेजाया जाता है स्कूली बच्चो को।

एक शिक्षिका द्वारा उक्त घिनोना वाक्या होने के बाद पत्रकार ने पत्रकारों को व पालकगणो ने अन्य पालकों को मैडम की करतूतों को बताया। साथ ही बीआरसी, तहसीलदार, एसडीएम एवं एसडीओपी कार्यालय तक विवादित महिला की करतूत एवं समस्या के समाधान के लिए सूचना दी। पत्रकारों को सूचना मिलने पर जिला पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजेश सोनी के नेतृत्व में क्षेत्र के सभी पत्रकार भी एमडीएच स्कूल पहुंचे। जिसमें से 4 पत्रकार, मैडम के पास उनकी आज्ञा लेकर उनके कार्यालय में पहुंचे और मामले को शांत कर देने की नियत के साथ मैडम से अनुरोध किया कि, आप छीना हुआ मोबाइल दे दो। मोबाइल की बात सुनते ही विवादित महिला एक बार और अपनी पृष्ठभूमि को बताते हुए चुटकी बजाते हुए कहती है कि, आपको कार्यालय के अंदर किसने आने दिया, गेट आउट कहते हुए संस्था के अंदर पत्रकारों को घेरने का प्रयास करते हुए बाहर से गेट लगाने का प्रयास किया। लेकिन विवादित व अमर्यादित महिला जिसने उक्त वेदीक एमडीएच संस्था को विवाद के घेरे में अक्सर खड़ा करने वाली महिला, पत्रकारों को घेरने में कामयाब नहीं हो पाई। क्योंकि वहां एक के बाद एक कई पत्रकार एमडीएच स्कूल में पहुंच गए थे और प्रशासन को उक्त विवादित महिला की तानाशाही के बारे में बता चुके थे।

मौके पर पहुंचा प्रशासन, पालकगणों ने की कार्रवाई की मांग

पत्रकारों की सूचना एवं पालकगणों की समस्या को देखते हुए मौके पर तहसीलदार जगदीश वर्मा व बीआरसी मैडम ने स्कूल पहुंचकर मामले को निपटाने की कोशिश की लेकिन पालकगण व पत्रकार उक्त विवादित शिक्षिका मधु को हटाने की मांग को लेकर अड़े रहे। जिसके बाद पेटलावद एसडीएम अनिल राठौर एवं एसडीओपी सोनू डावर ने मौके पर पहुंचकर मामले में दोनों पक्षों को सुनकर कार्रवाई की बात कही।

इस दौरान संस्था प्राचार्य अपनी ही संस्था के कर्मचारी के व्यवहार पर चुप्पी साधे थे। विवाद के बाद संस्था की कई गंभीर लापरवाही और स्कूल प्रशासन की मनमानी सामने आई। जिसको लेकर एसडीएम को भी कार्रवाई करने का आश्वासन देना पड़ा।

एसडीएम के हस्तक्षेप के बाद मधु परिहार ने मांगी माफी, मेरी संस्था कहने पर ली आपत्ती

अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद बच्चों के परिजनों और पत्रकारों से सार्वजनिक रूप से मधु मैडम ने माफी मांगी और पत्रकार से छीना मोबाइल वापस लौटाया। इस दौरान बस की शिकायत लेकर आए परिजनों और पत्रकारों पर वीडियो बनाकर मेरी संस्था को डिस्टर्ब कर रहे थे कहा, जिस पर मौजूद पत्रकारों ने आपत्ति लेते हुए उन्हें बताया कि, यह संस्था आपकी नहीं है आप सिर्फ एक संस्था की कर्मचारी है, ना की संस्था की मालकिन, ये गांव के व्यक्ति द्वारा सेवा के लिए दान की गई भूमि में संस्था निर्मित है, तब जाकर विवादित मैडम को अपनी जमीन नजर आई और बोलती बंद हुई।

वही मुकदर्शक बन खड़े रहे प्राचार्य प्रवीण अत्रे ने आश्वस्त करते हुए कहा कि, आगे से ऐसी समस्या नहीं आएगी और मैंने आपकी समस्या व मधु मैडम की बात दिल्ली की हेड ऑफिस में कर दी गई है। प्राचार्य कि, कहीं उक्त बात के बाद आगे देखने वाली बात यह रहेगी कि, संस्था व उनके हेड ऑफिस के संचालक मामले में क्या उचित कदम उठाते हैं।

इधर अधिकारी ज्ञान बांट रहे थे, उधर एमडीएच स्कूल वाले उड़ा रहे थे नियमों की धज्जियां

बुधवार को जनपद पंचायत सभाकक्ष में एसडीएम साहब की अध्यक्षता में स्कूल संचालकों की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें आरटीओ अधिकारी झाबुआ, एसडीओपी सोनू डावर, टीआई, बीईओ, बीआरसी एवं एमडीएच संस्था को छोड़ समस्त प्राइवेट स्कूल संचालक उपस्थित रहे। उपरोक्त बैठक में समस्त प्राइवेट स्कूल संचालकों के स्कूल वाहन रजिस्ट्रेशन, बीमा, फिटनेस, स्कूल वाहन में सीसीटीवी कैमरा, ड्राइवर-क्लीनर का चरित्र प्रमाण-पत्र व वर्दी, वाहन में स्पीड वार्नर, नेमप्लेट होना आदि अनिवार्य किया गया। साथ ही नशा मुक्ति अभियान हेतु विद्यार्थियों को जागृत करने तथा 18 वर्ष आयु के विद्यार्थियों के नाम वोटर आईडी लिस्ट में जुड़वाने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

यहां यह सबसे बड़ी बात है कि, इधर एसडीएम और आरटीओ निजी स्कूल संचालकों को ज्ञान बांट रहे थे, उसी दौरान उधर बामनिया का एमडीएच स्कूल प्रशासन उसी ज्ञान रूपी निर्देश की धज्जियां उडाकर स्कूली बच्चों को जानवर समझ बसों में भेड़-बकरी की तरह भरकर स्कूल ला रहे थे। वही पेटलावद में हुई उक्त ज्ञानव्यापी बैठक में बामनिया एमडीएच स्कूल की ओर से कोई भी नहीं पहुंचा, उल्टा बच्चों को क्षमता से अधिक बस में भरकर लाने का विरोध करने वाले परिजनों के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा महिला होने का फायदा उठाकर झूठे अनर्गल आरोप तक गढ़ने का प्रयास किया।

म.प्र. पहुंचा भारत जोड़ो यात्रा का काफिला

भोपाल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की अगुवाई में भारत जोड़ो यात्रा बुरहानपुर के रास्ते मध्य प्रदेश में दाखिल हो गई है। भारत जोड़ो यात्रा का काफिला महाराष्ट्र में जलगांव जामोद से बुधवार को सुबह छह बजे जसौंधी गांव से होते हुए मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के बोदरली गांव पहुंचा। मध्य प्रदेश कांग्रेस की ओर से यात्रा के आगमन और राहुल गांधी स्वागत के लिए खास इंतजाम किए गए थे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ समेत सूबे के तमाम दिग्गज नेता राहुल के स्वागत के लिए बुरहानपुर में उपस्थित थे। इस मौके पर राहुल गांधी ने कहा कि, यात्रा की शुरुआत में विपक्ष के लोगों ने सवाल उठाए थे लेकिन मैं उनको बता देना चाहता हूं कि तिरंगा तो श्रीनगर में फहराएंगे ही।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि, इस हिंदुस्तान में तीन से चार अरबपतियों के हाथ में सारी इंडस्ट्री हैं। पोर्ट, हवाई अड्डे, सड़कें, टेलीकॉम और रेलवे उनके हाथ में जा रही हैं। ऐसा हिंदुस्तान हमें नहीं चाहिए। यह अन्याय का हिंदुस्तान है। हमारी यह यात्रा हिंदुस्तान में फैलाए जा रहे नफरत, हिंसा और डर के खिलाफ है। कांग्रेस नेता ने कहा कि देश के युवाओं और बच्चों का सपना मौजूदा परिस्थितियों में पूरा नहीं हो सकता है? मैं 70 दिनों से चल रहा हूं। मैं हर प्रदेश में बच्चों और युवाओं से मिला हूं। शिक्षा प्राइवेट हाथों में चली गई है। हम ऐसा हिंदुस्तान नहीं चाहते हैं जहां डर और बेरोजगारी हो।

राज्य कांग्रेस की ओर से साझा की गई जानकारी के मुताबिक मध्य प्रदेश में यात्रा के पहुंचने पर राहुल गांधी का तिलक लगाकर पारंपरिक स्वागत किया गया। पैदल मार्च में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता हाथों में तिरंगा लेकर बोदरली पहुंचे। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने मध्य प्रदेश में 12 दिवसीय यात्रा की औपचारिक शुरुआत करने के लिए मध्य प्रदेश के पार्टी प्रमुख कमलनाथ को तिरंगा सौंपा। राजस्थान में प्रवेश करने से पहले यह यात्रा मध्य प्रदेश में 380 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। राहुल ने कहा कि भाजपा पहले लोगों के मन में डर पैदा करती है और बाद में उसे हिंसा में बदल देती है।

भारत जोड़ो यात्रा में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के जमावड़े को देखते हुए राज्य सरकार ने सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए हैं। राहुल गांधी की यात्रा की सुरक्षा का जिम्मा खुद डीआइजी तिलक सिंह संभालेंगे। सुरक्षा ड्यूटी में 500 जवानों को तैनात किया गया है। यात्रा के साथ तीन एडिशनल एसपी, 16 डीएसपी, 64 इंस्पेक्टर, एसआई भी सुरक्षा में मुस्तैद हैं। स्थानीय बल यात्रा में अतिरिक्त सुरक्षा इंतजामों की व्यवस्था संभाल रहा है। सनद रहे कांग्रेस नेताओं की ओर से सुरक्षा को लेकर जाहिर की गई चिंताओं को देखते हुए राज्य के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने भरोसा दिया था कि, राज्य सरकार खुद सुरक्षा का जिम्मेदारी संभालेगी।

सद्दाम हुसैन की तरह दिख रहे राहुल गांधी, सीएम हिमंत सरमा ने कसा तंज

अहमदाबाद। विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की तारीख नजदीक आते ही प्रदेश में सियासी पारा भी बढ़ने लगा है। भाजपा, कांग्रेस, और आम आदमी पार्टी-आप के बीच वार पर जमकर पलटवार भी हो रहा है। कोई जीत का दावा तो कोई किसी की निजी जिंदगी, और घोटाले पर बयान देने से बिल्कुल भी पीछे नहीं हट रहा है।

ऐसा ही एक बख्यान सुर्खियां बटोर रहा है। गुजरात में चुनावी प्रचार को पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर बयान दिया है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान अपने मकसद से दूर राहुल की छवि बिल्कुल ही अलग हो गई है। राहुल पर तंज कसते हुए बिस्वा ने कहा कि गांधी आजकल पूर्व ईराकी राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन की तरह दिखने लगे हैं। तंज कसते हुए सरमा का कहना था कि, गांधी वंशज की छवि महात्मा गांधी या सरदार पटेल जैसी होनी चाहिए न कि सद्दाम हुसैन जैसी। कहा कि, हालिया फोटो में उनकी चेहरा बदला हुआ नजर आ रहा था। चेहरे बदलने में कोई नुकसान नहीं, अगर चेहरा बदलन ही तो देश की महान विभूतियों की तरह चेहरा बदलना चाहिए।

राहुल गांधी पर प्रहार करते हुए सरमा ने राहुल से सवाल पूछा कि, आपका चेहरा सद्दाम हुसैन जैसा क्यों दिखने लगा है...? सावरकर के ऊपर राहुल की टिप्पणी पर भी सरमा ने उनको आड़े हाथों लिया है। राहुल पर बोलते हुए सरमा ने कहा कि गुजरात में राहुल सिर्फ एक दिन के लिए ही प्रचार को आए थे, जबकि हिमाचल प्रदेश के विधानसभा चुनाव के दौरान वह नदारद थे। भारत जोड़ो यात्रा पर सवाल खड़ा करते हुए सरमा ने कहा कि, राहुल सिर्फ उन्हीं राज्यों में जा रहें हैं, जहां पर विधानसभा चुनाव नहीं हैं क्योंकि कांग्रेस को पहले से ही मालूम है कि चुनावों में उनकी हार होने वाली है। सरमा ने कांग्रेस पर भी जमकर प्रहार करते हुए कहा कि गुजरात चुनाव में पार्टी की करारी हार होगी।

अपने ही आदेश पर किरकिरी करा बैठा प्रशासन

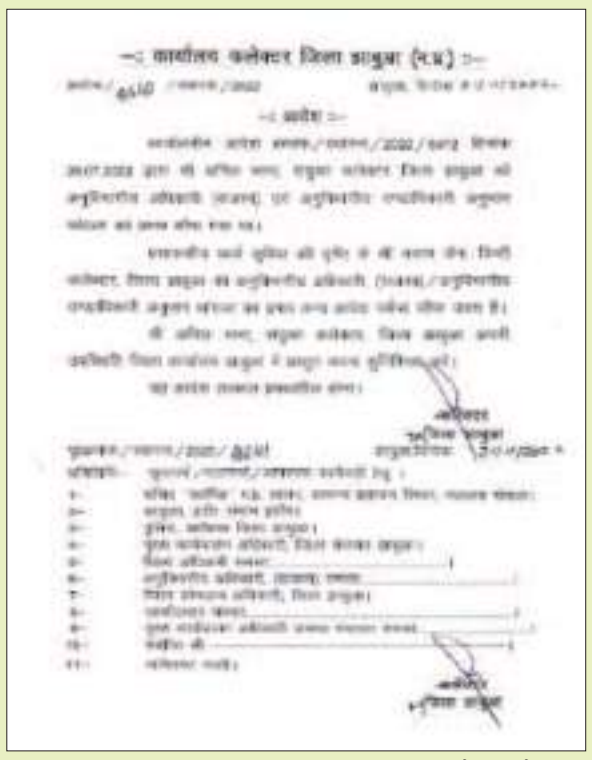

माही की गूंज, झाबुआ।

गत दिनों थांदला अनुविभागीय राजस्व अधिकारी को लेकर जारी आदेष तथा निरस्ती से प्रषासन अपनी ही किरकीरी करा बैठा। स्थिति यह है कि, जिलेभर में लोग प्रषासन के उक्त आदेष एवं निरस्ती आदेष को लेकर चटकारे ले रहे है।

मामले के अनुसार प्रषासन ने गत दिनों थांदला अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के पद से अनिल भाना को हटाकर तरूण जैन को पदस्थ कर दिया। भाना जो पूर्व कलेक्टर के कार्यकाल में शासकीय भूमि लीज मामले को लेकर खासे चर्चित थे, की रवानगी का हर किसी को इंतजार था। किंतु पूरे मामले में पूर्व कलेक्टर ने थांदला पटवारी की बली लेकर मामला रफा-दफा करने का प्रयास किया था। किंतु कस्बा पटवारी का निलंबन प्रषासन पर उल्टा पड़ गया। खबरे मीडिया में उठी तो प्रषासन की जमकर किरकीरी भी हुई। भाना की कार्यप्रणाली पर तो पूर्व से सवालिया निषान थे ही।

बताते है, झाबुआ में संयुक्त कलेक्टर रहते भाना के संबंधो में अच्छी खासी बढ़ोत्तरी हुई, तो संबंधो में मधूरता का स्तर भी सातवे आसमान पर पहुंच गया। यही कारण है कि, कुछेक चाटुकारों को भाना ने सर पर बैठा लिया अथवा उनकी कठपुतली बन गए। हालांकि सुगबुगाहट तो यह भी है कि, भाना को ऐसी अज्ञात शविकद का संरक्षण प्राप्त है, जो जिले में सत्ताधारियों से ज्यादा पावरफुल है। खैर जो भी हो किंतु प्रषासन ने भाना को जिला मुख्यालय पर अटैच करने वाले आदेष को बदले गए एसडीएम के पद्भार गृहण करने के कुछ घंटो में निरस्त कर दिया, इसके पीछे कारण निर्वाचन आयोग बताया जा रहा है। इस समय में जिले में मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्यक्रम चल रहा है। कोई एक माह तक चलने वाले उक्त कार्य में थांदला में एसडीओ राजस्व रजिस्ट्रीकरण अधिकारी है। चुनाव आयोग के अनुसार कार्यक्रम के दौरान किसी भी अधिकारी को हटाने हेतु पहले आयोग की अनुमति लेना अनिवार्य है। मेडम यही चूंक कर गई और भाना को हटाने के आदेष दे दिये।

कलेक्टर मेडम के आने और कार्यषैली से जिलेवासी अब तक प्रभावित होते ही आए है। मेडम ने आते ही जिन अधिकारियों पर आरोपो की लंबी फेहरिस्त थी, को लूप लाईन में डाल दिया। तो कुछेक चर्चितों को स्थानांतरण कर तुरंत रिलीव भी कर दिया था। पूर्व कलेक्टर के समय गर्माए थांदला की शासकीय भूमि लीज मामले में भाना की रवानगी का इंतजार भी अंचल के लोग कर ही रहे थे एवं देर आए दुरूस्थ आए की तर्ज पर मेडम ने आदेष भी निकाल दिया जो चुनाव आयोग की वजह से निरस्त करना पड़ा और जिला प्रषासन की किरकीरी पूरे जिले में हुई। सूत्रों का तो यह भी कहना है कि, भाना को निपटाना प्रषासन के लिये टेढ़ी खीर है। भाना की मजबूत जड़े वहां तक जाती है जहां से प्रषासन पर आसानी से दबाव बनाया जा सकता है। इसीलिये भाना को न तो पूर्व कलेक्टर अपनी नाराजगी का शिकार बना पाए थे और न ही वर्तमान कलेक्टर ने मामले में अब तक कोई रूचि नही दिखाई थी। तंत्र की स्वतंत्रता, निष्पक्षता तो अब मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम समाप्ती के पष्चात ही दिखाई देगी।

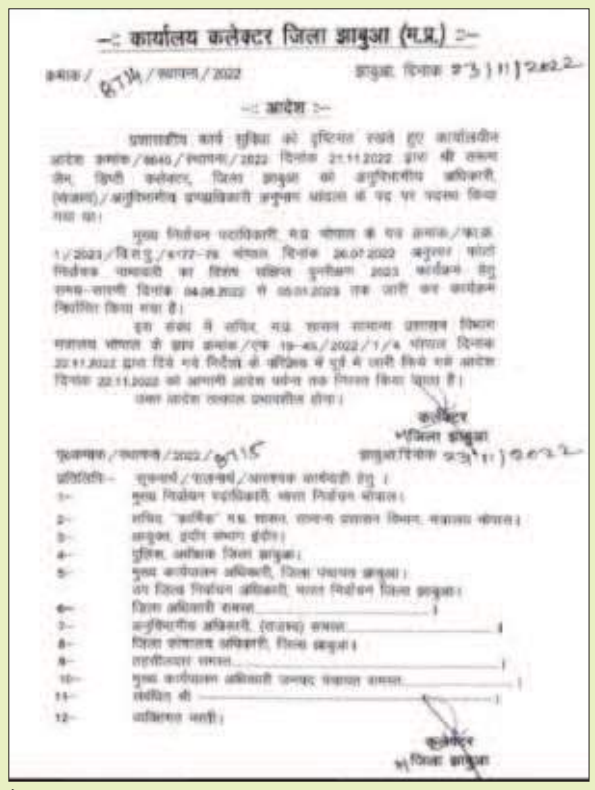

उधारी पर विकास...!

झूठा आश्वासन देकर सीईओ ने सीएम हेल्पलाइन से शिकायत करवाई केंसल, नही मिला अब तक मेहनत का रुपया

माही की गूंज, भामल। नारायण पालरा

शासन की कोई भी विकास की योजना हो जिसका उधारी पर ही क्रियान्वयन हो रहा है।

बतादे कि, ग्राम पंचायतों में चाहे आरईएस हो या ग्राम पंचायत आदि जो भी कार्य करने वाली एजेंसी हो जिनके द्वारा मनरेगा का कार्य हो या ओर कोई भी शासन द्वारा करवाए जाने वाले विकास कार्य उधारी पर ही करवाए जा रहे है। जिसमे मजदूरो ने मजदूरी की हो, ठेकेदार ने ठेकेदारी की हो, निर्माण कार्य में निर्माण सामग्री ले जाते है, ट्रेकर या मशीन मालिको से अपनी जवाब देही के साथ एजेंसी के इंजीनियरों या पंचायतों के सरपंच -सचिवो द्वारा 8दिन, 15दिन या 1 माह में पैसा आहरण करवार कर सभी की मेहनत का रुपया दे देने का आश्वाशन नए-नए तरीकों के साथ दे -देकर कार्य तो करवा लिए जाते है। पर पंचायतों या आरईएस विभाग द्वारा महीनों ही नही बल्कि 2-2वर्षो तक भी आज-कल बता-बता कर लम्बा समय निकाल दे देते है और पेसो की जरूरत होने पर यहा कार्य करने वाले व्यक्ति या अपने टेक्टर आदि मषनरी वालो को पंचायतों में कार्य करने का रुपया समय पर नही मिलने के कारण कई तरह की परेशानियो का सामना करना पड़ता है। साथ ही बाजार से उन्हें कर्ज लेने पर भी मजबूर होना पड़ता है। उसके बाद भी आजकल-आजकल कहकर महीनों, महीनों से साल कर देते हैं पर उन्हें उनके मेहनत का पैसा नहीं मिलता है। यानी कि, शासकीय कार्य में किसी के द्वारा भी योगदान दिया गया वह हर व्यक्ति परेशान ही है।

जिसका एक उदाहरण भामल के सामुदायिक भवन के कार्य में भी सामने आया है। सरपंच-सचिव के आदेश पर लालाराम पवार ने मिस्त्री कार्य का पूरा काम किया। जिसका छत स्तर तक 3 लाख 34 हज़ार 125 रुपये का कार्य किया। उक्त कार्य 2020 में किया गया, जिसमें 82 हज़ार 125 रुपये का भुगतान अब तक बाकी है लेकिन दो साल से अधिक समय हो जाने के बाद भी सरपंच-सचिव आज-कल कर-कर के उसका रुपया नहीं दे रहे हे। वही सामुदायिक भवन के आगे का कार्य भी अधूरा पड़ा है।

लालाराम पवार ने परेशान होकर सीएम हेल्पलाइन क्रमांक 19292372 पर 30 सितंबर 2022 को शिकायत की गई। जिसके बाद सचिव से लेकर थांदला जनपद की सीईओ भी हरकत में आए और सीईओ मेडम ने झूठे आश्वासन के साथ 31 अक्टूबर तक पूरा भुगतान करने की बात कहकर, सीएम हेल्पलाइन से शिकायत का समाधान होने का हवाला देकर शिकायत वापस करवा ली।

लालाराम ने गूंज को बताया कि, मजदूरों को बाजार से ब्याज पर पैसा लेकर दिया है। आज-कल, आज-कल की बात सुन-सुनकर परेशान होकर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत की थी। लेकिन सीईओ मैडम ने 31 तारीख तक चुकता पेमेंट देने की बात कहकर सीएम हेल्पलाइन से शिकायत वापस करवा ली। पर सीईओ मैडम का आश्वासन भी झूठा निकला और मेरी मेहनत का पैसा आज तक नहीं मिला।

इसी प्रकार भामल के एक सीमेंट व्यापारी ने परवाड़ा में कपिलधारा कूप निर्माण हेतु सरपंच-सचिव को सीमेंट दी, जिसका भुगतान नहीं होने पर सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत होने पर झूठा आश्वासन देने पर शिकायत वापस ले ली। पर व्यापारी को यहां भी रुपया अभी तक नहीं मिला।

इसी प्रकार प्रत्येक पंचायत में आरईएस विभाग या ग्राम पंचायत का कार्य कोई भी सरकारी कार्य का रुपया लोगों को बिना परेशान किए बिना समय पर भुगतान नहीं होता है। जिसके कारण हो सकता है आगे कोई भी एकमत होकर सरकारी काम को नहीं करने को मजबूर होना पड़ेगा, ऐसा ही प्रतित पीड़ित लोगों की बात सुनकर लग रहा है।

भारत जोड़ो उपयात्रा का किया स्वागत

माही की गूंज, करवड़। टेमरिया में कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो उप यात्रा का जोरदार स्वागत किया। गंगाखेड़ी के कांग्रेस नेता शैलेन्द्र सिंह गंगाखेड़ी यात्रा आने से पूर्व अपने सैकड़ो कार्यकर्ताओ के साथ उपस्थित रहे। झाबुआ जिले से प्रारंभ हुई कांग्रेस की भारत जोड़ो उप यात्रा का स्वागत टेमरिया मंदिर पर विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह गंगाखेड़ी के द्वारा किया गया। जिसमें अग्निनारायण सिंह, हर्षवर्धन सिंह, जयराज भट्ट, भैरूसिंह चौहान ,तोलाराम रमेश निनामा, राजू मालवीय एवं आसपास के अनेक कार्यकर्ता के द्वारा उपयात्रा का स्वागत किया गया। जिसके पश्चात उपयात्रा को आगे बढ़ाया गया।

अखिल भारतीय विराट कवि सममेल शनिवार को, हास्य और व्यंग्य के ठहाकों से गूंजेगा मेला

माही की गूंज, पेटलावद।

नगर परिषद द्वारा 20 नवम्बर से मेला ग्राउंड में शुरू हुआ पारंपरिक भैरव नाथ मेले को और भी आकर्षक बनाने के लिए 26 नवम्बर शनिवार को अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन भी किया जा रहा है। जिंसमे हास्य, व्यंग्य और वीर रस सहित कई विधाओं के कवि अपनी प्रस्तुति देंगे। कवि सम्मेलन के सूत्रधार एवं सयोंजक प्रसिद्ध कवि प्रवीण आत्रे खरगोन होंगे। मेला समिति के संरक्षक पार्षद मुकेश परमार ने बताया कि, नगरवासियों के मनोरंजन के लिए मेले के साथ-साथ अन्य प्रतियोगिता के माध्यम से भी युवाओं को प्रोत्साहित करने का काम किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को काव्य पाठ प्रेमियों के लिए कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। जिंसमे प्रसिद्ध हास्य कवि जानी बैरागी, गीतकार विष्णु सक्सेना, वीर रस के कवि मुकेश मौलवा, हास्य एवं व्यंग्य बलवंत बब्लू, हास्य रस के कवि और संचालक दीपक शुक्ला, हास्य रस के ,कवि रोहित झन्नाट, गीत गजल की कवयित्री राधिका मित्तल अपनी विशेष प्रस्तुति देंगे। नगर परिषद अध्यक्ष ने ललिता योगेश गामड़ ने बताया कि, आयोजन में विशेष रूप से कई अतिथि उपस्थित होकर आयोजन की सोभा बढ़ाएंगे।

दूसरे दिन से शबाब पर आया मेला , नगरवासी उठा रहे लुप्त

रविवार से शुरु हुए मेले के अलगे ही दिन से मेला पूरे शबाब पर आ गया। मेले में आये कई प्रकार के झूले आकर्षक का केंद्र बने हुए है, जिंसमे आसपास के ग्रामीण सहित नगरवासियों द्वारा जमकर लुप्त उठाया जा रहा है। मेले में गराडू, जलेबी, आइसक्रीम, पाँव भाजी, चाइनीज़ सहित कई प्रकार के व्यंजनों के स्टाल भी लगे हैं जहा भीड़ उमड़ रही है। मेले की सुरक्षा को लेकर जरूर सवाल खड़े हो रहे हैं, यहां असमाजिक तत्व मेले में हुड़दंग कर मेले की रौनक बिगाड़ रहे हैं। साथ अपराधी तत्व भी सक्रिय होकर मेले में हाथ की सफाई दिखा रहे हैं। पूर्व में मेले के दौरान दुपहिया वाहन चोरी होने की वारदात हो चुकी हैं जिसके लिए पुलिस प्रशासन को मुस्तेद रहने की आवश्यकता है।

संतुलन खोकर गिरी मोटरसाइकिल, तीन घायल

माही की गूंज, बनी। श्री कृष्ण गौशाला के सामने दो मोटरसाइकिल संतुलन खोकर गिर गई। जिसमें राधेश्याम पिता खीमा कटारा 25 वर्ष, रमेश पिता भगवान सिंह राजपूत 30 वर्ष, जनक पिता नंदू राजपूत धतुरिया के निवासी है। जनक की हालत गंभीर बताई जा रही है सभी घायलों को 108 की सहायता से अस्पताल पहुंचाया गया।

अय्याश व लोगों की जान से खिलवाड़ करने वाला फर्जी झोलाछाप डॉक्टर गौतम राय का षड़यंत्र आ रहा सामने

बेटे का फर्जी क्लीनिक उज्जैन जिले में खुलवाकर षड़यंत्र के साथ चंगुल में फंसी नाबालिक लड़की को बेटे के साथ भगाने का रचा जाल

माही की गूंज, खवासा।

जो व्यक्ति पैदाईशी षड़यंत्रकारी हो वह किसी को भी गुमराह कर अपना षड़यंत्र रूपी जाल बिछाने में अक्सर माहिर रहते हैं। ऐसा ही षड़यंत्रकारी भामल में गौतम राय जो कि, वास्तविकता में हिंदुस्तान में पैदा हुआ या नहीं...? उसी पर सवाल खड़े हैं। जो बिना किसी गांव के रहवासी के नोडूयूज (प्रमाण-पत्र) के भामल में आकार फर्जी रूप से पंचायत में अपना निवासी प्रमाण-पत्र बनाकर फर्जी एवं लोगों की जान से खिलवाड़ करते हुए इलाज करने के साथ भामल में लोगों ने पनाह दी और अपना मकान बनाने के साथ स्थानीय निवासी बन गया।

उक्त षड़यंत्रकारी फर्जी झोलाछाप डॉक्टर गौतम राय पहले तो जो मांस-मदिरा का उपयोग करने वाले लोगों से मांस-मदिरा खिला-पीलाकर अपने संबंध जोड़ने का प्रयास किया और फिर उनके घर पर ही अपनी बुरी नजर डालने में कोई चूक नहीं की। वही जो परिवार मांस-मदिरा से कोसों दूर है ऐसे परिवार की महिला के साथ भी नयन-मटक का कार्य करने में कोई चूक नहीं की कि, चर्चा सार्वजनिक ही थी कि, अपने बेटे के माध्यम से गांव की एक सभ्य एवं जैन समाज के परिवार की लड़की के साथ पहले मोबाइल से दोस्ती फिर बाद में प्रेमजाल में फंसाकर ऐसा मनमोहित किया कि, नाबालिग लड़की को सिर्फ षड़यंत्रकारी गौतम राय का बेटा सुमन ही सुमन दिखाई दिया।

हमने पिछले अंक में ''आखिर ये कैसा इश्क जो सारी सामाजिक सभ्यता को कर रहा तार-तार'' शीर्षक के साथ प्रकाशित किया। जिसमें उल्लेख किया था कि, 15 नवंबर को सारी सामाजिक मर्यादाओं को तार-तार कर कई घंटों तक फिल्मी नाटक की तरह लड़के और लड़की द्वारा सार्वजनिक रूप से भरे बाजार में सामाजिक सभ्यता को कलंकित करने का कृत्य किया और षड़यंत्रकारी एवं अय्यास गौतम राय के इशारों पर उसका नशेड़ी लड़का सुमन लड़की को बस में बिठाकर बामनिया से मेमो में बैठकर चले गए।

गूंज में प्रकाशित समाचार की सत्यता पर गौतम राय ने भी लगाई अपनी मोहर

गोल घेरे में षड़यंत्रकारी व अय्यास गोतम राय, बेटे को नाबालिक लडकी के साथ भगाने वाला पुलिस की गिरफ्त में।

नाबालिक लडकी को भगाने वाला प्रेमी जोडा हुआ रूई (उन्हेल) से रफुचक्कर, पुलिस लौटी खाली हाथ।

हमने पिछले अंक में प्रकाशित किया था कि, गौतम राय के बेटे सुमन ने एक सभ्य परिवार की लड़की उर्फ स्कूली छात्रा को अपने मोहजाल में फंसाया और सुमन के जाल में फंसी छात्रा सुमन के कहने पर उसके घर चली गई और वहीं रहने की बात कहने लगी। अय्यास व फर्जी झोलाछाप डॉक्टर गौतम राय भली-भांति जानता था कि, अगर सार्वजनिक रूप से अपने शराबी पुत्र का साथ दिया तो स्थानीय लोग उसे भी गांव निकाला दे देंगे। नतीजन षड़यंत्रकारी गौतम ने षड़यंत्र के साथ लड़की को अपनाने से मना करता रहा। वहीं सुमन के झांसे में आई नाबालिक लड़की फिल्मी ड्रामे के साथ गौतम राय ने षड़यंत्र के साथ पुत्र को पेसा व आशीर्वाद देकर रवाना कर दिया। साथ ही हमने यह भी उल्लेख किया था कि, गौतम अपने पुत्र सुमन उर्फ तरुण को 12वीं पास करने के साथ उसे भी किसी तरह से छोटी-बड़ी फर्जी डिग्री लेकर झोलाछाप डॉक्टर बनाने की जुगत में लगा था। उक्त समाचार की सत्यता पर गौतम राय ने भी अपनी मुहर लगा दी।

परिजनों ने लड़की के माता-पिता से करवाई शिकायत दर्ज, गौतम राय पुलिस की कस्टडी में

पहले तो लड़की के पिता ने खवासा चौकी में किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं चाहते हैं कि, बात लिख कर दे दी गई थी। वहीं षड़यंत्रकारी गौतम हमारी कलम को खरीदने का असफल प्रयास भी करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। गौतम चाहता था कि, उसके द्वारा रचा गया षड़यंत्र का मामला ''माही की गूंज'' समाचार पत्र में प्रकाशित ना हो के उद्देश्य से गांव के लोगों के माध्यम से प्रलोभन के साथ समाचार रोकने का प्रयास किया। लेकिन हमारी कलम ऐसे भ्रष्टों एवं फर्जी झोलाछाप के हाथों बिकने वाली नहीं थी और गूंज में मामला उजागर होने के साथ जैन परिवार एकमत होकर अपनी नाबालिक लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने की रिपोर्ट माता-पिता के नाम से खवासा चौकी में दर्ज करवाई। वही पुलिस ने धारा 363 के तहत मामला दर्ज कर पुलिस लड़के-लड़की की तलाश में जुट गई और सर्वप्रथम गौतम राय को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया तो सामने आया कि, गौतम राय ने अपने लड़के के साथ गांव की नाबालिक लड़की को भगाने के उद्देश्य के साथ कुछ समय पहले ही उज्जैन जिले के उन्हेल के आगे ग्राम रूई में अपने 12वीं पास पुत्र सुमन का फर्जी क्लीनिक खुलवा दिया और उसके बाद सोची-समझी साजिश के साथ लड़के के चंगुल में फंसी लड़की को परिवार की प्रतिष्ठा को भरे बाजार में कलंकित करने का प्रयास कर, लड़की को भगाकर ले गया और रूई (उन्हेल) में अपने फर्जी क्लीनिक को संचालित कर लड़की के साथ वहां रह रहा था।

गौतम के बताए अनुसार पुलिस जब उसके फर्जी क्लिनिक रूई (उन्हेल) पहुंची। उसके पूर्व ही परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा सुमन को पुलिस के आने की सूचना दे दी, जिस पर सुमन व लड़की पुलिस के वहा जाने के पूर्व ही अपने फर्जी क्लीनिक को छोड़ अन्य जगह फरार हो गए। पुलिस जब रूई पहुंची तो वहा सुमन व लड़की नहीं मिले पर फर्जी क्लीनिक पर चोरी की दवाईयां जरूर मिली पर उसे जप्ती में नहीं लिया।

गौतम राय पुलिस की कस्टडी में रहने के साथ ही पुलिस को गुमराह करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। नतीजन पुलिस चौकी के लॉकअप में बंद गौतम राय से जो मिलने आए उसे पुलिस द्वारा की जा रही दिनभर की गतिविधि को बता देता और वह बात मिलने आया व्यक्ति, उसकी पत्नी को भामल जाकर बताता और पत्नी अपने बेटे सुमन को पुलिस की सारी गतिविधि से सचेत कर देती है का मामला भी सामने आ रहा है।

बताते हैं, भामल का एक व्यक्ति उर्फ गौतम का हितेषी पुलिस चौकी पर गया और सामान्य मुलाकात के बहाने लॉकअप के पास गौतम से बात करने पहुंचा तो उक्त व्यक्ति गौतम को बंद लॉकअप में सेन्ध लगाकर विमल पाउच दे रहा था और षड़यंत्रकारी गौतम पुलिस की सुनी हुई गतिविधि से अपने लड़के को सचेत करने हेतु अवगत करवा रहा था कि, गौतम राय की उक्त कारस्तानी से अचानक से चौकी प्रभारी जगन्नाथ कन्नास ने देख लिया और चौकी में ही लॉकअप में सेंध लगाकर विमल देने एवं पुलिस की कार्रवाई में बाधा उत्पन्न करने पर उसे भी गौतम के साथ लॉकअप में डाल दिया था। लेकिन बताने वाले बताते हैं, एक नेताजी ने टीआई को फोन किया और बिना चौकी प्रभारी की जानकारी के आरक्षक को निर्देश देकर टीआई ने बिना किसी कार्रवाई के उस व्यक्ति को छुड़वा दिया। वही छोड़ा हुआ व्यक्ति अपने विश्वसनीय व्यक्ति को बुलाकर आरक्षक को तीन हज़ार रूपये देकर घर आया की बात भी दबी जुबान में कह रहा है।

जरा संभल कर: लगातार घिर रहे हैं जयस समर्थक नेता, 2023 में जयस की राह मुश्किल बनाने की है तैयारी

आंदोलन में फंसे आनंद राय, अभय ओहरी के बाद जयस नेता कमलेश्वर डोडियार बलात्कार के मामले में उलझे

अगले माह विवाह होना है जयस नेता डोडियार का, दूसरी युवती ने शादी का झांसा देकर बलात्कार का लगाया आरोप, प्रकरण दर्ज

माही की गूंज, पेटलावद, राकेश गेहलोत

विधानसभा चुनाव 2023 की आहट आते ही क्षेत्र के राजनीतिक रंग और दृश्य बदल रहे हैं। अभी तक कांग्रेस-भाजपा पर हावी जय आदिवासी संगठन (जयस) अचानक बैक फुट पर नजर आ रहा है। पिछले कुछ दिनों से ऐसा लग रहा मानो जयस की उलटी गिनती शुरू हो गई हैं। एक के बाद एक मामलों में जयस से जुड़े नेता और समर्थक विवादों में ऐसे घिर रहे हैं कि उनका उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य खतरे ने पड़ता दिख रहा है। कही न कही 2023 विधानसभा चुनावों के चलते सत्तापक्षीय दल के सीधे निशाने पर है। क्योंकि कई बड़े आंदोलन और विवादों के बाद भी प्रशासन जयस संगठन पर कार्रवाई से पहले किसी बड़े आंदोलन को आमंत्रण और माहौल बिगड़ने पर विचार करता है। लेकिन कुछ समय से जयस का पूरा कुनबा एक-एक कर कानूनी दांवपेंच में उलझ रहा है।

पेटलावद विधानसभा से हुई शुरुआत

लगातार बढ़ते वर्चस्व के साथ जयस की 2023 के विधानसभा चुनावो में विशेष भूमिका मानी जा रही है। कई संगठन से जुड़े और समर्थक चुनाव की तैयारियों में लगे हुए थे, लेकिन मैदान में उतरने वाले चेहरे और उनके बड़े समर्थको पर प्रकरण बना कर जेल भेज दिया गया या फिर उनके साथ किसी योजना के तहत बदनाम किया गया। शुरुआत पेटलावद विधानसभा से हुई जहा बिटीबी के बैनर तले चुनाव लड़ चुके सचिन गामड़ को उन्ही की पंचायत में अवैध संबंधों को लेकर मारपीट की ओर बलात्कार के प्रकरण में फंसाने की कोशिश करते हुए उनके साथ मोब्लिंचिंग की घटना को अंजाम दिया गया। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद पेटलावद विधानसभा से मुख्य चेहरा बन कर उभर रहे सचिन गामड़ इस रेस में बहुत पीछे चले गए। मामले के बाद महिला ने सचिन गामड़ के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज नही कराते हुए मारपीट करने वालो के विरुद्ध मामला दर्ज करवाया। लेकिन पुलिस ने मोब्लिंचिंग करने वालो पर मामूली धाराओं में मामला दर्ज कर इतिश्री कर ली। सचिन गामड़ के समर्थन में तब तक जयस या बीटीबी कार्यकर्ताओ की ओर से कोई विरोध प्रदर्शन देखने को नही मिला।

गौरव दिवस के अवसर पर विकास खण्ड के जयस नेता प्रकाश डामर और उनके साथियों पर भी पारा क्षेत्र में हमला हुआ, उन पर देश विरोधी नारें लगाने का गभीर आरोप लगा। विवाद लगातार सोशल मीडिया पर आरोप प्रत्यारोप जारी है। वही भाजपा का समर्थक हिन्दू युवा जनजाती संगठन और जयस की और से ज्ञापन का दौर शुरु हो गया।

रतलाम सांसद के विरोध मामले में घिरे जयस के बड़े नेता

गौरव दिवस के मौके पर रतलाम जिले के धराड़ क्षेत्र में पहुचे सांसद गुमानसिंह डामोर का विरोध जयस कार्यकर्ताओ द्वारा रतलाम क्षेत्र में निवेश क्षेत्र को लेकर किया गया। ऐसा पहली बार नही है कि, गुमानसिंह रतलाम क्षेत्र में हो और उनका विरोध नही हुआ। ऐसे कई वीडियो सामने आ चुके है; लेकिन कोई कार्रवाई नही हुई। लेकिन इस बार मौका मिलते ही रतलाम प्रशासन ने प्रदर्शन को हिंसक मानते हुए जयस के बड़े समर्थक डॉक्टर आंनद राय, जयस सरंक्षक डॉक्टर अभय ओहरी सहित पॉच मुख्य जयस कार्यकर्ताओ पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहा से उन्हें 29 नवम्बर तक जेल भेज दिया गया, इनकी जमानत कब तक हो फिलहाल कहा नही जा सकता।

रतलाम मामले में जेल में बन्द जयस के 5 मुख्य नेताओ के कारण कई आयोजन प्रभावित हो गए। जिंसमे सबसे अधिक रतलाम ग्रामीण से विधानसभा में उतरने की तैयारी डॉक्टर अभय ओहरी प्रभावित हुए है। इतना ही नही सोशल मीडिया पर लगातार जयस संगठन के दुष्प्रचार की खबर सामने आ रही है जिससे जयस के बढ़ते कदमो में रुकावट आई है।

कानून के जानकार कानून के फंदे में फंसे, कमलेश्वर डोडियार पर बलात्कार का मामला दर्ज

सैलाना क्षेत्र से विधानसभा मैदान में उतरने का सपना सजाए बैठे जयस के बडे नेता कमलेश्वर डोडियार के खिलाफ बलात्कार का प्रकरण दर्ज हुआ है। सोमवार सुबह परिजनों के साथ पीड़िता एसपी कार्यालय पहुंची थी। एसपी अभिषेक तिवारी को शिकायत के बाद आरोपी द्वारा दुष्कर्म की व्यथा सुनाई। मामले की गंभीरता पर युवती के बयान और स्वास्थ पर्रीक्षण के आधार पर आरोपी जयस नेता डोडियार के खिलाफ दुष्कर्म सहित अन्य विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। महिला ने जयस नेता डोडियार ने करीब चार वर्ष तक उसे शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और इसके बाद आरोपी डोडियार ने दूसरी जगह शादी करने की तैयारी कर धोखा देने का आरोप लगाया।

मामले में युवती की शिकायत के आधार पर आरोपी जयस नेता कमलेश्वर डोडियार के खिलाफ भादंवि की धारा 376 (2) (ए), 469,506,294 एवं 500 में मुकदमा दर्ज किया। सोशल मीडिया पर लगातार बयानबाज़ी को लेकर हमेशा घिरे रहने वाले कमलेश्वर डोडियार पिछले दिनों जिला पंचायत के चुनाव के बाद से खुद की मालिक का बन्दा वाली छवि सुधारने में लगे थे। चर्चा थी जिस तरह से जयस से मिल कर भाजपा ने रतलाम जिला पंचायत पर कब्जा किया, कमलेश्वर डोडियार भाजपा से भी चुनाव लड़ सकते हैं। लेकिन बलात्कार का मामला दर्ज होने के बाद कमलेश्वर का चुनावी मैदान में उतरना मुश्किल दिखाई दे रहा है। फिलहाल कमलेश्वर डोडियार की गिरफ्तारी नही हुई है लेकिन आने वाले समय मे इस पर जमकर राजनीति होनी तय है।

क्या जयस है भाजपा के निशाने पर...?

सत्ता के शिखर तक पहुँचने के लिए भाजपा और कांग्रेस लगातार आदिवासी सीटों को अपने पक्ष में करने के लिए काम कर रही है। लेकिन बीच का रोड़ा बन कर जयस संगठन उभर रहा है, जो कई सीटो पर भाजपा और कांग्रेस के नेताओ के टिकिट कटने का कारण बन रहे थे। विगत चार वर्षों में जयस हावी रहती दिख रही हैं। लेकिन अब जयस को बिखरने की कोशिश हो रही, आने वाले दिनों में जयस की भूमिका क्या रहती हैं ये देखना होगा। तीन से चार भागों में बटी जयस बिखरेगी या निखरेगी ये देखना होगा। क्या जयस सत्ता के निशाने पर है, ये बड़ा सवाल उभर कर सामने आ रहा है।

पैसा एक्ट के तहत होगा स्थानीय स्तर पर निवारण

माही की गूंज, बामनिया।

गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय के हित मे मध्यप्रदेश में पैसा एक्ट लागू किया गया है। पैसा एक्ट लागू करने वाला प्रदेश, देश का सातवां राज्य बन चुका है। बुधवार को ग्राम पंचायत में इस संदर्भ में ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्राम पंचायत में समितियों को गठन किया गया, जो स्थानीय स्तर पर निराकरण करेगी। वन संसाधन समिति का अध्यक्ष सर्व समिति से बद्रीलाल डामर और शांति समिति का अध्यक्ष पप्पू मैडा को बनाया गया। समिति में 5 सदस्यों को भी शामिल किया गया हैं। ग्राम सभा के दौरान सरपच रामकन्या मखोड, उपसरपंच ब्रजभूषण सिंह परिहार, सचिव मुन्नालाल, रोजगार सहायक, मोबिलाइजर, ग्राम पंचायत के पंच सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ग्राम सभा और समिति की सहमति जरूरी

अनुसूचित क्षेत्र में नई शराब दुकान नही खुलेगी। जमीन अधिग्रहण से पहले सहमति लेनी होगी। राजस्व से जुड़े मामलों में समिति की अनुशंसा पर सुधार करने का अधिकार होगा। अनुसूचित क्षेत्र में किसी के द्वारा अवैध कब्जा या गलत तरीके से खरीदने बेचने के मामले में ग्राम सभा और समितियों द्वारा हस्तक्षेप कर सकेगी। शांति समिति के माध्यम से छोटे-मोटे आपसी विवाद का निराकरण समिति के माध्यम से किया जाएगा। इस समिति में एक तिहाई महिला सदस्य भी रहेगी।

अतिक्रमण से मार्ग सकरा उस पर तेज गति से दौड़ते वाहन, दुर्घटनाओं में बढ़ोत्तरी

27 वर्षों में बदला तख्ता, क्या अब होगा गांव का कुछ सुधार...?

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

पुलिस थाने से लेकर मुख्य बाजार होते हुए डूंगरी पाड़ा तक की दूरी करीबन 2 किलोमीटर की है और इस पूरी दूरी में घनी आबादी रोड से ही लगे हुए मकान है। इस बीच तेज वाहनों की रफ्तार आए दिन दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहा है, इसी बीच मुख्य बाजार में छात्रावास, स्कूल, हॉस्पिटल जैसे कई जगह है जहां आने-जाने के लिएं लोगों को काफी मशक्कत करना पड़ती है। पुलिस थाने से कुछ ही दूरी पर अघोषित बस स्टैंड कर रखा है जो की बाजार में घुसते ही पहला चौराहा पड़ता है, जहां से मदरानी और हरीनगर की ओर जाने वाला मुख्य चौराहा है। जहां छोटी-बड़ी कई दुकानें भी लगी हुई है, इस चौराहे पर अनगिनत वाहन निकलते हैं और फुल स्पीड में निकलते हैं, जिससे आए दिन वाहनों में भिड़ंत होती रहती है जो की आपस में ही ले देकर मामला सुलझा लेते हैं। इस चौराहे पर किसी प्रकार का कोई सिग्नल बोर्ड या स्पीड ब्रेकर नहीं है, जिससे आए दिन दुर्घटना होती रहती है। लेकिन इस ओर न तो प्रशासन ध्यान दे रहा है और न ही ग्राम पंचायत का ध्यान है, इस चौराहे से कुछ दूरी पर पुराना बस स्टैंड है जहां शासकीय शराब दुकान संचालित हो रही है। वहीं पर सैकड़ों छोटी-छोटी चाय होटल एवं किराना दुकान लगी हुई है जहां सूरत एवं बड़ौदा से आने-जाने वाली बसे भी खड़ी रहती है और काफी भीड़भाड़ का इलाका भी है। यहां भी किसी प्रकार का कोई स्पीड ब्रेकर या सांकेतिक बोर्ड नहीं है, जहां हमेशा दुर्घटना का अंदेशा बना ही रहता है। इसी रोड पर आगे बाजार की ओर बढ़ते हैं तो आदिम जाति सेवा सहकारी संस्था हे जहां से अनाज वितरण किया जाता है। ग्रामीण लोगों की भारी भीड़ लगी रहती है और वहीं पर टेंपो स्टैंड भी बना रखा है, जहां दिनभर सैकड़ों टैंपो हरी नगर से सवारी लाने लेजाने का काम करते हैं। वहां भी फूल ट्रैफिक होने के बावजूद भी कोई स्पीड ब्रेकर नहीं है। इसी के आगे चलते हैं तो ग्राम पंचायत एवं उसी के सामने कन्या छात्रावास भी संचालित हो रहा है। कुछ ही दूरी पर मिडिल स्कूल भी है जो बाजार के बीचो-बीच में है यहां सुबह-शाम स्कूली बच्चों का आना-जाना लगा रहता है। ऐसे में कई छोटे-बड़े वाहन तेज गति से निकलते हैं पता ही नहीं चलता कि, कौन निकला हैं। इसी मुख्य रोड पर बाजार में शिव मंदिर और निजी स्कूल भी संचालित हो रही है। उसके साथ ही हॉस्पिटल चौराहा भी पड़ता है जहां अतिक्रमण के साथ कई वाहन भी रोड पर खड़े रहते हैं जिससे हॉस्पिटल मार्ग जाम होता है। और आगे चले तो पूरे बाजार में इतना अतिक्रमण कर रखा है कि, पैदल निकलना भी मुश्किल हो रहा है।

बाजार निकलते ही इसी मुख्य रोड पर टेंपो स्टैंड बना रखा है, जहां भारी मात्रा में टेंपो खड़े रहते हैं। उसी के आगे हाई सेकेंडरी स्कूल पड़ती है जहां हजार से भी अधिक बच्चे अध्ययनरत हैं, जिन्हें भी आने-जाने में काफी दिक्कत बनी रहती हैं। बच्चों के माता-पिता जब तक बच्चे घर नहीं आ जाते हैं तब तक उन्हे सकून नहीं मिलता। पूरे बाजार में इतना ट्रैफिक बना रहता है कि, कभी-कभी घंटो जाम लगा रहता है। पूरे इस दो किलोमीटर के मुख्य मार्ग में कहीं पर भी स्पीड ब्रेकर बनाए हुए नहीं है, जिससे अंध गति से वाहन आते-जाते रहते हैं, लेकिन न तो पुलिस प्रशासन का इस ओर ध्यान है और न ही ग्राम पंचायत का। ग्राम पंचायत में बैठे जिम्मेदारों को इस बात से अवगत कराने पर वह पीडब्ल्यूडी का नाम लेकर पल्ला झाड़ लेते हैं; आखिर ग्रामवासी करे तो क्या करें...?

असामाजिक तत्व की हो रही बढ़ोतरी

मुख्य बाजार में असामाजिक तत्व और शराबी-नशेड़ियों की कोई कमी नहीं है। यह लोग तेज गति से बाजार में वाहन चलाते हुए वाहन पर बैठकर गाली गलौज करते और जोरो से चिल्ला चोट करते हुए बप्पकारी करते हुए निकलते हैं। लेकिन इन्हें रोकने या टोकने की किसी में हिम्मत नहीं है न हीं उन्हें कोई रोक कर समझाइस देने वाला है। इन्हें अगर किसी ने गलती से भी रोक दिया तो उल्टे उसी के गले पड़ जाते हैं और गाली गलौज कर मारने को उतारू हो जाते है।

अतिक्रमण की भरमार

पूरे बाजार में अतिक्रमण तेज आंधी की तरह बढ़ता ही जा रहा है, जिसे जहां जगह मिली अपना तंबू रोड के किनारे गाड़ देता है। रोड पर वाहन रख देता है, ठेला गाड़ी लगा देता है और मकानों के आगे स्थिति ऐसी है कि, खुद का दो पहिया वाहन भी अपने मकान के आगे खड़ा नहीं कर सकते, मकान के आगे रोड तक होटल बनाकर अतिक्रमण किया जा रहा है। जिससे पूरे बाजार की हालत यह है कि, कोई चार पहिया वाहन आमने-सामने आ जाए तो क्रॉस होने की भी जगह नहीं रहती है। जिससे ऐसी स्थिति हो जाती है कि, घंटों लंबा जाम लगा रहता है। जिसे देखो अपनी पूरी दुकानदारी रोड तक ले आता है। कई जगह पूरा-पूरा मकान अतिक्रमण कर बना लिए गए हैं, जिसे पंचायत भी जानती है और प्रशासनिक अधिकारी व पटवारी भी जानते हैं लेकिन इस अतिक्रमण को हटाना उचित नहीं समझते हैं।

यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि, वोट बैंक की राजनीति ही अतिक्रमण को बढ़ावा देती आई है और दे रही है। इस राजनीति के चलते पूरा गांव अतिक्रमण से सटा पड़ा हुआ है। वर्षों पूर्व मुख्य बाजार में जो नाली गटरे बनाई हुई है उस गटर से भी 10 फीट आगे रोड तक ओटले बना दिए गए हैं, जिससे पूरे बाजार में गंदा पानी रोड पर ही बहता रहता है।

अब देखना यह है कि, 27 वर्षों के बाद ग्राम पंचायत में बदलाव हुआ है और ग्रामवासी नई पंचायत बॉडी से कई उम्मीदे लगाए बैठे हैं। क्या यह नई बॉडी गांव में विकास के लिए बिना वोट बैंक की राजनीति किए, गांव का अतिक्रमण हटाकर बाजार की रौनक बढ़ाएंगे या पूर्व में होता आया है यथावत वैसा ही चलता रहेगा।

आखिर कब रुकेगा मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार, रोजगार सहायक ने फर्जी हाजरी भरकर किया मजदूरी का भुगतान

नाम किसी का, खाता किसी का, पांच साल से चल रहा खेल, परिवार को भी लगातार किया जा रहा भुगतान

उपसरपंच ने की शिकायत, रिकॉर्ड में भारी हेरा-फेरी

माही की गूंज, पेटलावद।

मनरेगा योजना ग्राम पंचायत से लेकर आरईएस विभाग तक कमाई का बड़ा जरिया बन चुकी हैं। सरकार मनरेगा योजना के भुगतान में कितनी भी पारदर्शिता लाने का प्रयास क्यो न करे हेरा-फेरी करने वाले गोलमाल कोई न कोई रास्ता निकाल ही लेते हैं।

मामला विकास खंण्ड की ग्राम पंचायत रामपुरिया में सामने आया जहा ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक ने मनरेगा अंतर्गत होने वाले भुगतान में भारी फर्जीवाड़ा कर राशि का आहरण किया है। मामले की शिकायत जिला कलेक्टर से लेकर जनपद सीईओ तक पंचायत के उपसरपंच मुकेश डामर द्वारा की गई। जिसकी जांच की जा रही है, लेकिन जांच के परिणाम ऐसी सैकड़ो शिकायतो में पहले भी नही आये हैं और आगे भी आते नही दिख रहे।

क्या है मामला...

ग्राम पंचायत रामपुरिया के उपसरपंच मुकेश डामर एंव ग्रामीणजनों द्वारा एक बार फिर मामले की शिकायत सोमवार को जनपद सीईओ से करते हुए बताया कि, ग्राम पंचायत

रामपुरिया के रोजगार सहायक सुनील गरवाल द्वारा मनरेगा योजना में भारी भष्ट्राचार कर फर्जी हाजरी मजदुरो की भर कर खुद के परिचितो के खाता नंबर लगा कर उन खातो में मजदुरी का भुगतान कर, राशि की बडी मात्रा में हेरा-फेरी की जा रही है। जिन मजदुरों के नाम से मस्टर भरे गए है उनको तक नहीं पता कि, उनके द्वारा कब और कहा मजदुरी की जा रही है। यह कि, रोजगार सहायक द्वारा कई मनेरगा के कार्य ऐसे करना बताया है जो मौके पर नहीं है और उनका फर्जी भुगतान कर दिया गया है।

रोजगार सहायक द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियो से मकान स्वीकृत होते है। प्रति हितग्राही पाच हजार रूपये वसुल कर लिए और प्रधानमंत्री आवास में मिलने वाली मनेरगा की राशि का भुगतान हितग्राही खुद के परिचितो के जॉबकार्ड लगा कर निकाल लेता है।

जांच दल पर हमला कर भगाया, शिकायत वापस लेने के लिए बना रहे दबाव

उपसरपंच मुकेश डामर ने कहा कि, पूर्व में भी इसकी शिकायत मेरे द्वारा की जा चुकी है। पुर्व जनपद सीईओ द्वारा मामले की जाच हेतु 7 सदस्यी दल जाच के लिये बनाया था। लेकिन जाच करने के लिए आये दल के सामने, ग्राम पंचायत के पुर्व सरपंच व वर्तमान सरपंच पति के साथ मिलकर रोजगार सहायक कुछ ग्रामीणों को शराब पिलाकर जाच दल से विवाद कर भगा देता है। जिसके बाद से जाच दल वापस नहीं आया है और उल्टा हमको जनपद में बुलाकर हमारे उपर समझौता कर शिकायत हटाने का दबाब डालते है ।

उपसरपंच के माता-पिता की पांच साल से भरी जा रही हाजरी, रोजगार सहायक का परिवार यहां नही रहता वो भी कागजों पर कर रहे काम

उपसरपंच मुकेश डामर ने बताया कि, ग्राम पंचायत में हुआ मनरेगा मजदूरी के भुगतान की जानकारी ऑनलाइन निकाली, तो पता चला कि, मेरे ही माता-पिता के नाम से 2017 से वर्ष 2022 तक मजदूरी का भुगतान किया गया। मेरे माता-पिता का खाता बैंक में होने के बाद भी मजदूरी का भुगतान किसी और के खाते में किया जा रहा है, जिसे हम जानते ही नही। रोजगार सहायक खुद अपने परिवार के जिन लोगो को मजदूरी का भुगतान कर रहा है वो खुद कभी मजदूरी पर नही गए और कुछ तो बहार रहते हैं। ऐसा एक या दो जगह नही बल्कि कई जगह ऐसा किया गया है। शिकायत के बाद आज तक निराकरण नही हुआ है, अगर मनरेगा योजना के पिछले 5 साल के रिकॉर्ड की जांच की जाये तो लाखों के फर्जी भुगतान का मामला सामने आएगा।

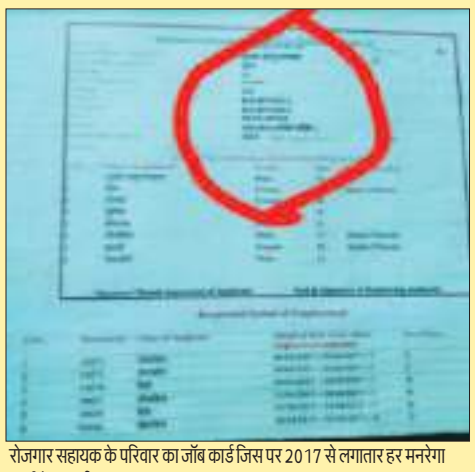

रोजगार सहायक के परिवार का जॉब कार्ड जिस पर 2017 से लगातार हर मनरेगा कार्य मे मजदूरी का भुगतान हुआ।

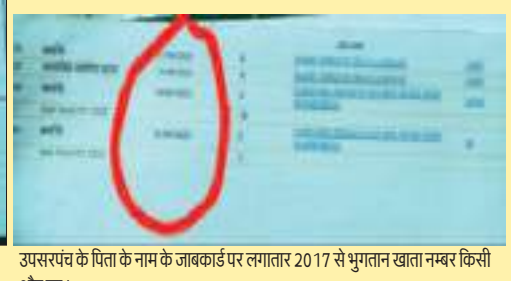

उपसरपंच के पिता के नाम के जाबकार्ड पर लगातार 2017 से भुगतान खाता नम्बर किसी और का।

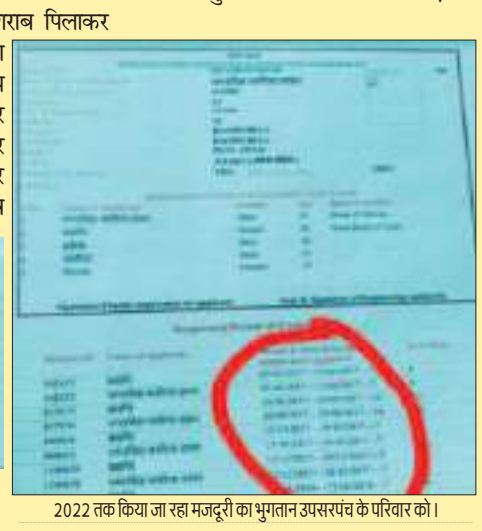

2022 तक किया जा रहा मजदूरी का भुगतान उपसरपंच के परिवार को।

संपादकीय

सदमें में ट्रॉमा सेंटर

यह कैसी विडंबना है कि, जिस पंजाब में हर वर्ष सड़क हादसों में औसतन साढ़े चार हजार लोगों की जान चली जाती है, वहां दुर्घटना में घायल लोगों को तुरंत उपचार देने वाला एक भी ट्रॉमा सेंटर काम नहीं कर रहा है। कुल मिलाकर घायल लोगों को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। विसंगति यह है कि, तेजी से बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की जिंदगी बचाने के मकसद से जिन पांच ट्रॉमा सेंटरों को बनाया गया था, वे पिछले पांच वर्ष से काम नहीं कर रहे हैं। एक दशक पहले जालंधर, पठानकोट, खन्ना, फिरोजपुर और फाजिल्का में पांच ट्रॉमा सेंटर खोले गए थे। मकसद यही था कि, किसी भी सड़क दुर्घटना में घायल को तुरंत चिकित्सा देकर उसका जीवन बचाया जा सके, लेकिन विभिन्न कारणों से एक-एक करके सभी ट्रॉमा सेंटर बंद हो गए। अब उनका उपयोग अन्य उपचार कार्यों के लिए हो रहा है।

दरअसल, जब तक इनको चलाने के लिए फंड केंद्र सरकार से आता रहा, तब तक ये ठीक-ठाक काम करते रहे। लेकिन जैसे ही केंद्र सरकार ने कर्मचारियों के वेतन आदि के लिए फंड देना बंद कर दिया, ये ट्रॉमा सेंटर भी बेसुध हो गए। दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि, आधुनिक भवन और नवीनतम उपकरण होने के बावजूद इनके संचालन में राज्य सरकार के अधिकारियों ने गंभीरता नहीं दिखाई। वहीं दूसरी ओर बताया जा रहा है कि, इन ट्रॉमा सेंटरों में विधिवत कार्य शुरू न हो पाने की वजह यह भी रही है कि, दुर्घटनाओं में सबसे पहले जरूरी उपचार देने वाले न्यूरोसर्जन इन ट्रॉमा सेंटरों में नियुक्त ही नहीं किए गए। विडंबना है कि, राज्य के चिकित्सा सिस्टम में भी न्यूरोसर्जनों की भारी कमी है। ऐसे में बिना न्यूरोसर्जन के किसी ट्रॉमा सेंटर की उपयोगिता निरर्थक ही हो जाती है। इस गंभीर समस्या पर न तो चिकित्सा विभाग ने ध्यान दिया और न ही राज्य के नीति-नियंताओं ने। ऐसे में ट्रॉमा सेंटर तमाम अन्य सुविधाओं के होने के बावजूद निष्प्रभावी हो गए।

आरोप तो यह भी लगे कि, इन ट्रॉमा सेंटरों की लोकेशन भी तार्किक नहीं थी। होना तो यह चाहिए कि ट्रॉमा सेंटर ऐसी जगह पर बने जहां हाइवे व अन्य मुख्य मार्गों पर हुई दुर्घटना में घायल लोगों को तुरंत पहुंचाया जाए। लेकिन इन ट्रॉमा सेंटरों की लोकेशन में भी गंभीर खामियां थीं। ट्रॉमा केयर मानकों के अनुसार चिकित्सा सुविधा राजमार्गों पर ही उपलब्ध होनी चाहिए। लेकिन पंजाब में सभी ट्रॉमा सेंटर शहरों के भीतर भीड़भाड़ वाले इलाकों में खोले गए थे। ज्यादातर को सिविल अस्पतालों के साथ खोला गया था। मरीजों को सभी चिकित्सा देने के मकसद से यह कदम उठाया गया होगा, लेकिन सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को तो तुरंत चिकित्सा सहायता की जरूरत होती है। इन ट्रॉमा सेंटरों तक पहुंचते-पहुंचते कई जिंदगियां खत्म हो जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़े भी बताते हैं कि, सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को यदि तुरंत मदद मिल जाए तो हर वर्ष हजारों जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। लेकिन इस गंभीर समस्या के प्रति हमारा चिकित्सातंत्र गंभीर नजर नहीं आता। यही वजह है कि, हर वर्ष देश में डेढ़ लाख लोग सड़क दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। दुर्भाग्य की बात यह है कि इन दुर्घटनाओं में मरने वालों की बड़ी संख्या युवाओं की है। करीब साढ़े चार लाख लोग हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में घायल होते हैं। इनमें बड़ी संख्या उन लोगों की होती है जो फिर से सामान्य जीवन नहीं जी पाते। दुखद यह है कि, इन दुर्घटनाओं में मरने वाले परिवार के कमाऊ लोग होते हैं। कमाऊ परिजन की मौत से परिवार अंतहीन समस्याओं की दलदल में चला जाता है। जहां तक पंजाब में पांचों ट्रॉमा सेंटरों के बंद होने का मामला है, ये हमारे सत्ताधीशों की काहिली को भी दर्शाता है। रोज-रोज नए-नए आडंबर रचने और मुफ्त की राजनीति करने वाले नेताओं को उस सकारात्मक पहल करने का होश नहीं रहता, जिससे हजारों जिंदगियां बर्बाद हो जाती हैं। जनता की जागरूकता ही राजनेताओं पर दबाव बना सकती है।

गांधीजी के बताए रास्ते पर तो नहीं चल पड़े राहुल गांधी...?

सनत जैन

भारत में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान जिस तरह से गांधीजी ने अंग्रेज़ों के खिलाफ दांडी पदयात्रा निकाली थी... गांधीजी को पूरे भारत में दांडी यात्रा से एक नई पहचान मिली। अंग्रेजों के खिलाफ़ लड़ाई का भारतीय चेहरा बना दिया था, उसी तरह से राहुल गांधी की सशक्त एवं लोकप्रिय राजनेता के रूप में पहचान बन रही है। वे देश में सर्वमान्य भारतीय चेहरा बनते जा रहे हैं। ऐसा लगने लगा है कि राहुल भारत जोड़ो यात्रा के जरिए गांधीजी के रास्ते पर चल पड़े हैं। रिपोर्टस के अनुसार राहुल की भारत जोड़ो यात्रा जिस-जिस राज्य से गुजर रही है, लोगों का व्यापक जनसमर्थन मिल रहा है। पदयात्रा में राहुल सफेद टी-शर्ट और चेहरे पर बिखरी हुई, खिचड़ी दाड़ी में जिस सहज-सरल अंदाज में लोगों से मिल रहे हैं, उनसे संवाद कर रहे हैं, उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, लोगों को उनमें गांधीजी दिखने लगे हैं।

कांग्रेस का कहना है कि, राहुल गांधी मोदी सरकार के फैसलों से खिन्न होकर सांप्रदायिक सद्भाव, धार्मिक ध्रुवीकरण के खिलाफ, अमीर और गरीब की लड़ाई के खिलाफ, भारत जोड़ो यात्रा के जरिए भारत में फैली आर्थिक असमानता, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक तनाव के खिलाफ, भारत को जोडने़ और जनजागरण का लक्ष्य लेकर देशभर की पदयात्रा पर निकले हैं। हालांकि कांग्रेस की इस भारत जोड़ो यात्रा के राजनीतिक मायने निकाले जा रहे हैं। माना जा रहा है कि राहुल भारत जोड़ो यात्रा के जरिए, शिथिल पड़ी कांग्रेस में स्फूर्ति लाने और खोई गौरव-गरिमा को पुर्नस्थापित करना चाहते हैं।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जब केरल से शुरू हुई। उस समय भाजपा ने इसे गंभीरता से नहीं लिया था। 1 सप्ताह के अंदर ही भारत जोड़ो यात्रा को जो जनसमर्थन मिला। उसके बाद राहुल गांधी पर व्यक्तिगत हमले कर उन्हें हतोत्साहित करने का प्रयास किया गया। राहुल गांधी ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। जैसे ही यह यात्रा कर्नाटक, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना में पहुंची। उसके बाद भाजपा भारत जोड़ो यात्रा को लेकर गंभीर हुई है। भारत जोड़ो यात्रा पर निकले राहुल गांधी पर उपचुनाव पराजय, हिमाचल एवं गुजरात के विधानसभा चुनाव के दौरान उनका प्रचार के लिए नहीं पहुंचने पर उनपर निशाना साधा गया। लेकिन इस मामले में राहुल गांधी और कांग्रेस ने चुप्पी साध रखी। वहीं सत्तारूढ़ भाजपा पहली बार भारत जोड़ो यात्रा के असर को लेकर चिंतित दिखाई दी।

राजनीतिक पंडितों का मानना है कि, राहुल गांधी ने कांग्रेस की नब्ज को पकड़ लिया है। अब वह वास्तव में नेतृत्व करने की दिशा में आगे बढ़ चले हैं। कांग्रेस जब स्वतंत्रता आंदोलन को लेकर अंग्रेजो के खिलाफ लड़ाई लड़ रही थी। उस लड़ाई में जननायक के रूप में मोहनदास करमचंद गांधी चेहरा बने, सारी कांग्रेस उनके पीछे चल पड़ी। इतिहास बताता है कि मोहनदास करमचंद गांधी अंग्रेजों से प्रभावित थे। वह बैरिस्टर बने, लेकिन जब दक्षिण अफ्रीका में वह वकालत करने के लिए गए। तब अंग्रेजों ने उन्हें प्रथम श्रेणी के डिब्बे से बाहर निकाल कर फेंक दिया था। इस अपमान को गांधी जी सह नहीं पाए। वह भारत लौट आए, भारत आकर उन्होंने अब तक बैरिस्टर का कोट पेंट उतारकर एक धोती के दो हिस्से करके एक को पहना और एक को ओढ़ा। भारत में साधु-संतों की बड़ी इज्जत और उनके ऊपर आम जनता को विश्वास होता था। गांधी जी ने भी रबर की चप्पल पहनकर और हाथ में छोटी सी छड़ी लेकर जनता की परेशानियों को लेकर आंदोलन करना शुरू कर दिया। अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने का यह उनका सबसे बड़ा शस्त्र था। अंग्रेजों के सामने ना तो उनके पास कोई आर्थिक साम्राज्य था। नाही वह अंग्रेजों का मुकाबला करने की स्थिति में थे। महात्मा गांधी ने आम जनता जो अंग्रेजी साम्राज्य के दमन से पीड़ित थी, उसका साथ लिया। जनआंदोलन से दुनिया के सबसे शक्तिशाली अंग्रेजों से लड़ाई लड़ी, और विजयी हुए।

कांग्रेस ने कभी किसी विचारधारा का नेतृत्व नहीं किया। कांग्रेस के इतिहास को देखें तो कांग्रेस एक आंदोलन की पार्टी थी। कांग्रेस ने सभी वर्गों को अपने साथ जोड़ा। अलग-अलग विचारधारा और अलग-अलग धर्मों के लोग कांग्रेस से जुड़े। आदिवासी और हरिजनों को भी कांग्रेस के साथ खड़ा करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी।छुआछूत के उस दौर में अछूतों को हरिजन कहकर उन्होंने समाज में एक नई पहचान दी। जिसके कारण अंग्रेजों के सामने निर्बल, कमजोर भारत ने स्वतंत्रता आंदोलन की लड़ाई में महात्मा गांधी, अंग्रेजों के लिए सबसे बड़े योद्धा बनकर सामने आए। जिन्होंने अंग्रेजों को पूरी तरीके से झुका दिया। भारत को स्वतंत्र कराने में अहिंसक आंदोलन की जो नई प्रेरणा विश्व को दी। उसका असर सारे विश्व के देशों में पड़ा।

2014 में केंद्र की सत्ता भाजपा के हाथों में आई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस मुक्त भारत का नारा दिया। चुनाव के दौरान और चुनाव के बाद उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और 70 साल में कांग्रेस के नेताओं को जमकर कोसा। कांग्रेस को भ्रष्टाचारियों की पार्टी बताया। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को पप्पू बेवकूफ नकारा बताने का जो अभियान, भाजपा ने चलाया था। उसमें गोदी मीडिया ने भी उनका साथ दिया। जिसके कारण राहुल गांधी अलग-थलग पड़ गए थे। भारत में यह नए तरीके की राजनीति थी। राहुल गांधी के ऊपर जिस तरह से व्यक्तिगत हमले किए गए। इससे उनका व्यथित होना स्वाभाविक था। यही समय था कि राहुल गांधी को अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए कांग्रेस के इतिहास और अपने पूर्वजों को जानने का आपदा में अवसर मिला।

कांग्रेस ने जन आंदोलन के माध्यम से, स्वतंत्रता आंदोलन की जो लड़ाई कांग्रेस लड़ रही थी। उस समय भी अंग्रेजों ने विभाजन के लिए हिंदू महासभा, र ा ष्ट ् ी य स्वयंसेवक संघ और मुस्लिम लीग की सहायता ली थी। 1906 में अंग्रेजों की सहायता से मुस्लिम लीग की स्थापना ढाका में हूई। 1915 में हिंदू महासभा की स्थापना हरिद्वार में हुई। उस समय भी हिंदू मुस्लिम के बीच ध्रुवीकरण कराकर स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करने का प्रयास अंग्रेजों ने किया था। इसमें अपेक्षित सफलता नहीं मिलने के बाद 1926 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक का गठन हुआ। जो सांस्कृतिक, राष्ट्रवाद विचारधारा को लेकर जन जन के बीच पहुंचकर स्वतंत्रता आंदोलन को कमजोर करने, और अंग्रेजों के पक्ष में काम किया। इसके बाद भी स्वतंत्रता आंदोलन निरंतर परवान चढ़ता रहा। आजाद हिंद फौज और सुभाष चंद जैसे उग्रवादी नेता भी इसी कांग्रेस में पैदा हुए।

राहुल गांधी ने अपने सबसे कठिन समय में कांग्रेस का इतिहास पढ़ा, उससे सबक लिया। उन्होंने जनता के मुद्दों को बड़ी मुखरता से उठाया। सरकारी उत्पीड़न के बाद भी वह वर्तमान सत्ता के मुकाबले खड़े हुए। जब सारा विपक्ष और कांग्रेस के बड़े-बड़े नेता अपने अस्तित्व की रक्षा करने के लिए सत्ता के सामने मौन हो गए। सत्ता के इशारे पर काम करने लगे थे। ऐसे समय पर राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की जो असली ताकत थी। उसे समझा, भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से वह भारत के सभी राज्यों की विभिन्न भाषाओं, खानपान, रहन-सहन और विचारधारा से जुड़ने का काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय पार्टी के रूप में इंदिरा गांधी के बाद कांग्रेस संगठन को मजबूत करने और राष्ट्रीय विचारधारा से सभी राज्यों के जोड़ने के लिए राष्ट्रीय पार्टी के लिए काम नहीं किया था। जिसके कारण क्षेत्रीय दल मजबूत हुए।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में जिस तरह से, वह गरीबों, किसानों , बच्चों से जुड़ रहे हैं। दक्षिण भाषा के राज्यों की संस्कृति और खानपान से जुड़कर आदमी से रिश्ता बना रहे हैं। महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक बदहाली एवं सामाजिक धार्मिक भेदभाव के खिलाफ जो अलख जगा रहे हैं। राहुल गांधी की सादगी सहजता सरलता को देखते हुए, आम आदमी पर इसका अच्छा प्रभाव पड़ रहा है।

भारतीय जनता पार्टी ने 2013 के चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी की छवि शहजादे के रूप में बनाई थी। केंद्र की सत्ता में आने के बाद चुनावी राजनीति में कांग्रेस की लगातार पराजय से उनकी छवि एक कमजोर और बेवकूफ नेता के रूप में बनाने का, जो अभियान चल रहा था। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की वह छवि बड़ी तेजी के साथ बदल रही है।

जनता में संदेश भी जा रहा है, कि पहले जो छवि एक पार्टी विशेष ने बनाई थी। वह गलत थी। राहुल गांधी उससे भिन्न है। इससे एक नेता के रूप में राहुल गांधी की लोकप्रियता बढ़ी है। उनका उनका आत्मविश्वास बढ़ा है। राहुल गांधी ने कांग्रेस एवं जनता के बीच सर्वमान्य नेता बनने के लिए अपने आपको पार्टी की गतिविधियों और चुनावी राजनीति से दूर रखकर पहले कांग्रेस के संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद का चुनाव नहीं लड़ा। सारे दबाव के बाद भी वह अध्यक्ष बनने के लिए राजी नहीं हुए। भारत जोड़ो यात्रा, शुरू करके उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव से अपने आप को दूर रखा। इस बीच कांग्रेस ने दलित नेता मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर प्रजातांत्रिक तरीके से गुप्त मतदान के माध्यम से चुन लिया। कांग्रेस ने सुनियोजित तरीके से सबसे बड़ी चुनौती का मुकाबला कर लोकतांत्रिक ढंग से करके, भाजपा को कड़ी चुनौती देने का काम किया है। क्योंकि भाजपा में कभी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया से अध्यक्ष का चुनाव नहीं होता है। एक तरह से उन्होंने भाजपा को ही चुनौती दे दी है। हिमाचल एवं गुजरात विधानसभा के चुनाव से राहुल गांधी ने अपने आप को दूर रखा है। चुनावी असफलता को राहुल गांधी के व्यक्तित्व से जोड़कर भाजपा इसका फायदा उठाती रही है। तेलंगाना में जब चुनाव हो रहे थे। भारत जोड़ो यात्रा भी वहीं थी। सारे दबाव के बाद भी वह चुनाव प्रचार के लिए नहीं गए। इस समय राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा में केवल जन आंदोलन और जन समस्याओं पर ही ध्यान दे रहे हैं। जिसके कारण सत्तापक्ष उनके ऊपर, वह प्रहार नहीं कर पा रहा है, जो अभी तक राहुल गांधी पर कर रहा था।

निश्चित रूप से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में उनके ऊपर, मोहनदास करमचंद गांधी के स्वतंत्रता आंदोलन के जन आंदोलन का प्रभाव स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। यात्रा को 2 माह से ज्यादा समय हो गया है। राहुल गांधी एक परिपक्व जन नेता के रूप में भावात्मक रुप से अपनी छवि बनाने में सफल दिख रहे हैं। अब उनकी चर्चा सारे देश और विश्व स्तर पर हो रही है। यही भारत जोड़ो यात्रा की सबसे बड़ी सफलता है। राहुल गांधी की पदयात्रा बुधवार को मध्य प्रदेश में प्रवेश कर चुकी है तथा 13 दिन तक मप्र में रहेगी। कांग्रेस ने भारत जोड़ो यात्रा में सभी धर्म, जाति, वर्ग के लोगों को शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। मप्र में राहुल गांधी ओंकारेश्वर और उज्जैन में ज्योतिर्लिंग का दर्शन पूजन करेंगे। नर्मदा में भी डुबकी लगाएंगे। बुरहानपुर में बोहरा समाज की दरगाह-ए-हकीमी पर दस्तक देंगे, तो गुरुद्वारे में भी सिर नवाने जाएंगे। इसके बाद राहुल महू में बाबा साहेब अंबेडकर को भी याद करेंगे। साथ ही टंट्या मामा को भी नमन करेंगे।

समता का समाज ही देश की छवि का मानक

एक सौ तीस करोड़ से अधिक जनसंख्या वाले देश के 'लोकप्रिय' प्रधानमंत्री की 'हैसियत' नापना असंभव की हद तक मुश्किल होना चाहिए। इसलिए, जब कोई यह कहता है कि गुजरात के मतदाता इस बार प्रधानमंत्री मोदी को उनकी औकात दिखा देंगे तो कहने वाले का मज़ाक उड़ाया जाना स्वाभाविक है। पिछले दो आम चुनावों में अपनी शानदार जीत दर्ज करा कर प्रधानमंत्री अपनी ताकत अच्छी तरह जता चुके हैं। सच तो यह है कि चुनावी जीत के जो मानक प्रधानमंत्री मोदी ने स्थापित किये हैं वे किसी भी व्यक्ति को उसकी औकात का भ्रम करवा सकते हैं। और एक सच्चाई यह भी है कि देश के मतदाता से संपर्क साधने की प्रधानमंत्री की कला और क्षमता भी इस दौरान लगातार सिद्ध होती रही है। ऐसे में जब प्रधानमंत्री किसी चुनावी सभा में यह कहते हैं कि 'मेरी क्या औकात है' तो इसे उनकी विनम्रता ही माना जाना चाहिए।

हाल ही में एक चुनावी सभा में प्रधानमंत्री ने ऐसी ही विनम्रता दिखाने का प्रयास करते हुए कहा था कि वे तो जनता के सेवक मात्र हैं। एक गरीब परिवार में पैदा हुए व्यक्ति की भला क्या औकात हो सकती है। पर उनके ऐसा कहने का यह तात्पर्य भी नहीं लिया जाना चाहिए कि हमारा प्रधानमंत्री किसी दृष्टि से इतना कमज़ोर है कि वह मतदाता की कृपा मांग रहा है। जो ऐसा मानते हैं उन्हें कुछ ही दिन पहले बाली में बसे भारतीयों के बीच दिये गये उनके भाषण को याद कर लेना चाहिए। इस भाषण में उन्होंने श्रोताओं से पूछा था कि 1914 से लेकर 2022 तक के भारत में उन्हें क्या परिवर्तन दिख रहा है? फिर उन्होंने स्वयं ही इसका उत्तर देते हुए इस परिवर्तन को 'भव्यता' से परिभाषित भी किया था। उन्होंने कहा था, 'आज हम भारत में जो कुछ भी कर रहे हैं, भव्य तरीके से कर रहे हैं- हमने दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बनायी है। दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम हमारे भारत में बना है, दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान भारत में चला था। अस्सी करोड़ भारतीयों को मुफ्त अनाज देने की बात भी इसी क्रम में कही गयी थी। निश्चित रूप से ये उपलब्धियां हैं और यह सब करने वाले की औकात का भी एक उदाहरण है, लेकिन इस उदाहरण की चकाचौंध से इतना भ्रमित हो जाना भी ठीक नहीं है कि अन्य वास्तविकताओं को देखकर भी अनदेखा किया जाता रहे। क्या हैं ये अन्य वास्तविकताएं? वास्तविकता यह भी है कि बाली में जिन अनिवासी भारतीयों के समक्ष प्रधानमंत्री भव्यता के उदाहरण प्रस्तुत कर रहे थे, वे उन 23 हज़ार भारतीय करोड़पतियों का हिस्सा थे जो पिछले आठ वर्ष में भारत छोड़कर विदेशों में जा बसे थे। इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि 2014 में अमेरिका में बसे अनिवासी भारतीयों की अपनी पहली सभा में प्रधानमंत्री ने दावा किया था कि वे ऐसा भारत बनायेंगे जहां से किसी को विदेश में जाकर बसने की आवश्यकता या विवशता नहीं होगी। फिर क्यों भारतीयों के विदेशों में जाकर पढ़ने, विदेशों में जाकर बसने के उदाहरण कम होने का नाम ही नहीं ले रहे? वैश्विक गांव की परिकल्पना वाले समय में किसी का विदेश जाकर बसना ग़लत नहीं समझा जाना चाहिए, पर विदेश की चकाचौंध वाली बात अलग है। वास्तविकता यह भी है कि आज भले ही अधिकांश भारतीयों के पास बैंक खाता हो या अधिकांश भारतीयों तक बिजली पहुंच गयी हो, पर हकीकत यह भी है कि आज देश की राष्ट्रीय संपत्ति का 77 प्रतिशत दस प्रतिशत हाथों में है। यह सही है कि हमारा भारत भले ही आज दुनिया की सर्वाधिक तेज़ी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था वाले देशों में से एक हो, पर हमारी गणना दुनिया के सर्वाधिक असमानता वाले देशों में भी की जाती है। पिछले एक दशक में हमारे अरबपतियों की संख्या दस गुना बढ़ गयी है। देश में बड़े-बड़े अस्पताल तो बनाने की घोषणाएं हो रही हैं, पर सारे दावों के बावजूद मेडिकल सुविधा आम भारतीय तक नहीं पहुंच पा रही। एक सर्वेक्षण के अनुसार आज भी डाक्टरी सुविधाओं के लिए होने वाले खर्च के कारण छह करोड़ से अधिक भारतीय प्रतिवर्ष गरीबी के पाले में धकेले जा रहे हैं।

विश्वनाथ सचदेव

आंकड़े बहुत कुछ बोलते हैं, पर बहुत कुछ बता भी नहीं पाते। सामाजिक असमानता वाला क्षेत्र ऐसे ही आंकड़ों वाला है। हमारा समाज आज भी जिस तरह से बंटा हुआ है, उसे आंकड़ों से नहीं समझा जा सकता। उसे समझने के लिए यह जानना ज़रूरी है कि इक्कीसवीं सदी के भारत में किसी दलित की घोड़े पर बैठ कर बारात निकलना एक समाचार है! यह भी समाचार है कि देश में ऐसे भी स्कूल हैं जहां विद्यार्थी तो हैं, पर नियमित अध्यापक नहीं हैं; प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तो हैं, पर कई ऐसे भी हैं, जिनके ताले महीनों तक नहीं खुलते! यह भी हमारे ही देश की कहानी है कि स्कूल में बच्चों को नमक के साथ चावल खिलाने का समाचार देने वाला पत्रकार देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया जाता है।

जब भी शीर्ष नेतृत्व की हैसियत नापी जाये तो उसका आधार यह सारी स्थितियां होनी चाहिए। सबसे ऊंची मूर्ति, सबसे शानदार मंदिर, सबसे भव्य मॉल, इन सबका भी महत्व है, अच्छा लगता है यह जानना कि दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम हमारे देश में है। लेकिन, देश की औकात भी इस बात से नापी जायेगी कि सामाजिक-आर्थिक असमानता की खाइयां कितनी कम हुई हैं, उच्च शिक्षा के लिए विदेशों में जाकर पढ़ने की विवशता का पहाड़ कितना छोटा हुआ है, एनआरआई बनने की लालसा में कितनी कमी आयी है। हमने अस्सी करोड़ लोगों को साल भर से अधिक तक मुफ्त खाद्यान्न दिया, यह संतोष की बात है, पर प्रधानमंत्री की हैसियत इस बात से नापी जानी चाहिए कि वह उन स्थितियों को बदलने में कितना सफल हो पाये हैं, जिनमें देश की लगभग आधी आबादी को भूख मिटाने के लिए सरकारी मदद की आवश्यकता पड़ रही है। यह स्थिति किसी ऐसे देश के लिए असहज करने की बात होनी चाहिए जो विश्वगुरु बनने के दावे कर रहा है अथवा दुनिया की तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बनने के सपने देख रहा है। स्वर्गीय राष्ट्रपति अब्दुल कलाम ने कहा था, सपना वही नहीं होता जो नींद में आता है, सपना वह है जो आपको सोने नहीं देता। ऐसे सपनों को पूरा करने में सफलता ही किसी की हैसियत नापने का पैमाना हो सकता है। राजा या सेवक कोई भी हो, उसे अपनी हैसियत सिद्ध करनी होती है। तभी कोई देश बनता है, तभी कोई समाज समृद्ध होता है।

सिर्फ राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से न देखें

चंडीगढ़ में प्रस्तावित हरियाणा की नई विधानसभा के मसले पर पंजाब के कुछ साथियों ने असहमति या कहें कि विरोध का स्वर मुखर किया है। ज्यादातर ने इसे राजनीतिक चश्मे से देखने का प्रयास किया है। तभी उन्होंने इस मामले को चंडीगढ़ में हरियाणा के प्रांतीय वर्चस्व बढ़ाने के रूप में प्रस्तुत किया है। दरअसल, इसे विधायी व्यवस्थाओं से इतर राजनीतिक नजरिये से देखा जा रहा है। इस मामले की वास्तविकता बयानबाजी से कोसों दूर है। यह कोई राजनीतिक मसला या राजधानी की लड़ाई का मुद्दा न होकर विशुद्ध रूप से विधायी कामकाज के लिए संसाधन जुटाने का मामला है। हर कोई सहजता से सहमत होगा कि किसी भी सदन की कार्यवाही के लिए माननीय सदस्यों के लिए बैठने की व्यवस्था करना नितांत आवश्यक है। दरअसल, हरियाणा विधानसभा के सदन और सचिवालय के पास उनकी गरिमा के अनुरूप स्थान नहीं है। इसलिए यह विषय राजनीतिक न होकर लोकतंत्र के सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ विधानपालिका की गरिमा और आधुनिक दौर की कार्यशैली के लिए मूलभूत ढांचे से जुड़ा है। जो ढांचा वर्तमान की जरूरतों को भी पूरा करने में असक्षम है, उससे भविष्य के लिए उम्मीद कैसे की जा सकती है? वर्ष 2026 में प्रस्तावित परिसीमन में हरियाणा में विधायकों की संख्या 126 हो सकती है। मौजूदा सदन में मात्र 90 विधायकों के लिए बैठने का स्थान उपलब्ध है। नये दौर की आवश्यकताओं और तकनीकी विकास के साथ-साथ व्यवस्थाओं को विकसित करना अनिवार्य हो चुका है। संसदीय कामकाज के तौर-तरीकों में परिवर्तन दस्तक देता रहा है। फलतः हरियाणा विधानसभा को भी समयानुकूल व्यावहारिक व आधुनिक बनाने की आवश्यकता है।

हरियाणा की इस वास्तविक जरूरत का विरोध करने वाले नेताओं को वर्तमान विधान भवन में प्रदेश को इसका बनता हिस्सा दिलाने के लिए भी आगे आना चाहिए। नये विधान भवन की आवश्यकता इसके पंजाब से चले आ रहे लंबे विवादों के कारण भी बढ़ी है। हरियाणा के अस्तित्व में आने के बाद आज करीब 55 वर्ष बाद भी उसे विधान भवन की इमारत के बंटवारे के अनुसार तय हिस्सा नहीं मिला। विधानसभा सचिवालय अपना हक लेने के लिए निरंतर प्रयास करता रहा है।

गत दशकों में जितने भी नए राज्य अस्तित्व में आए हैं, उन सबके नए विधान भवन बने हैं। हरियाणा के मामले में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है। छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, उत्तराखंड इसके प्रमुख उदाहरण हैं। राजस्थान, गुजरात और हिमाचल प्रदेश आदि राज्यों ने आवश्यकता अनुरूप नये विधान भवन बनाए हैं। देश की राजधानी नई दिल्ली में भी नया संसद भवन बनाया जा रहा है। सभी राज्यों के विधान भवनों में ऐसा प्रावधान है कि सत्र के दौरान मंत्रियों के कार्यालय विधानसभा की इमारत में ही होते हैं। इसे हमारी अपनी इमारत में पंजाब विधानसभा वाले हिस्से में ही देखा जा सकता है। पंजाब विधानसभा के लगभग सभी मंत्रियों को सत्र के दौरान उनके कार्यालय के लिए स्वतंत्र कमरे उपलब्ध करवाए गए हैं। इसके अलावा बहुत-सी विधानसभा इमारतों में मंत्रियों के अलावा विधानसभा समितियों के चेयरपर्सन्स के कार्यालय स्थापित हैं। हरियाणा विधानसभा में मुख्यमंत्री के अलावा किसी भी मंत्री या समितियों के चेयरपर्सन्स के लिए कार्यालय नहीं है।

देश की विधानसभाओं में सत्र के अलावा विधानसभा की समितियों का कार्य पूरे वर्ष चलता है। वर्तमान में हरियाणा विधानसभा समितियों की संख्या 15 है और प्रत्येक समिति की हर सप्ताह बैठक बुलाई जाती है। हरियाणा विधानसभा परिसर में मात्र 2 समिति कक्ष हैं, जहां ये समितियां तय समयसारणी के अनुसार बैठकें करती हैं। इसके चलते एक निश्चित समय सीमा में ही बैठकें संपन्न करनी पड़ती हैं। कई बार समिति अपनी बैठक की कार्यसूची में शामिल सभी कार्यों को पूरा नहीं कर पाती। देशभर की विधानसभा के सदस्यों की संख्या उनकी राज्यों की जनसंख्या के अनुसार कम या ज्यादा रहती है, लेकिन सभी विधानसभाओं की कार्यप्रणाली एक समान है। वर्तमान में हरियाणा विधानसभा सचिवालय में करीब 375 कर्मचारी सेवारत हैं, लेकिन इन सभी के बैठने के लिए पर्याप्त स्थान नहीं है। वहां सभी प्रथम श्रेणी अधिकारियों के लिए अलग-अलग कमरों का प्रावधान है। हरियाणा विधानसभा में एक कमरे में 3 से 4 शाखाओं को समायोजित किया गया है और अनेक कमरों में कैबिन्स बनाकर 7-7 प्रथम श्रेणी अधिकारियों के बैठने की व्यवस्था करनी पड़ रही है।

हरियाणा और पंजाब विधानसभाओं के लिए विधान भवन एक साझा स्थान है। वर्तमान पार्किंग स्थल दोनों विधानसभाओं के कर्मचारियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसके साथ-साथ दोनों विधानसभाओं के विधायकों और अधिकारियों के वाहनों की पार्किंग के लिए स्थान का अभाव हो जाता है। पंजाब के प्रत्येक विधायक के साथ सुरक्षा वाहन भी आता है, जिससे समस्या बढ़ जाती है। सुरक्षा की दृष्टि से भी यह संवेदनशील मामला है। जब दोनों राज्यों में सत्र एक साथ बुलाया जाता है तो समस्या विकट हो जाती है। विधानभवन में पंजाब और हरियाणा के विधानसभा अध्यक्षों के लिए 2 प्रवेश द्वार निर्धारित हैं। इसके अलावा 5 अन्य प्रवेश द्वार हैं जो दोनों विधानसभाओं के कर्मचारियों और आमजन के लिए हैं। इन पर दोनों विधानसभाओं के कर्मचारियों के बीच किसी न किसी विषय पर आपसी समन्वय नहीं होने के कारण समस्या बनी रहती है। मांग की जाती रही है कि पंजाब विधानसभा की तर्ज पर हरियाणा विधानसभा परिसर में भी सभी पार्टियों के विधायक दलों के स्वतंत्र कार्यालयों का प्रावधान किया जाए, लेकिन स्थान का अभाव होने के कारण यह मांग पूरी नहीं की जा सकती। जब हरियाणा प्रदेश और इसकी विधानसभा का गठन हुआ था, तब मीडिया का स्वरूप इतना बड़ा नहीं था। इसलिए प्रेस गैलरी समेत अनेक व्यवस्था उस समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकसित की गई थी। अब प्रिंट मीडिया के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया ने भी समाज में विशिष्ट स्थान बनाया है। अतः नए प्रकार की व्यवस्थाएं वक्त की जरूरत बन चुकी है। हरियाणा विधानसभा डिजिटलाइजेशन की तरफ कदम दर कदम आगे बढ़ रही है। इसके लिए जिस प्रकार के संसाधन चाहिए, उसके लिए वर्तमान भवन अपर्याप्त है। अतः चंडीगढ़ में हरियाणा विधानसभा के मौजूदा भवन के अतिरिक्त एक नई बिलि्ंडग बनाने की आवश्यकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी 9 जुलाई, 2022 को ट्वीट कर नई विधानसभा और नई हाईकोर्ट के लिए जमीन मांगी है। उनकी इस मांग को भी इसी परिप्रेक्ष्य में लिया जा सकता है।

ज्ञानचंद गुप्ता

इससे पहले यहां हरियाणा और पंजाब के सिविल सचिवालयों का विस्तार कर क्रमशः सेक्टर 17 और सेक्टर 9 में नए भवन बने हैं। तब चंडीगढ़ पर किसी भी प्रदेश के अधिकार व वर्चस्व का सवाल खड़ा नहीं हुआ। दरअसल, चंडीगढ़ दोनों राज्यों की राजधानी जरूर है, इसके बावजूद एक केंद्रशासित प्रदेश के तौर पर यह अपने आप में एक अलग इकाई भी है। यह हमारे देश के संघीय ढांचे की रचना है। कुछ नेताओं ने राज्यों के मानचित्र बदलने के अधिकार की भी बात उठाई है। उन्हें यह स्पष्ट होना चाहिए कि इस प्रकार भूमि के हस्तांतरण से किसी भी प्रकार से भौगोलिक बदलाव नहीं होता। चंडीगढ़ यूटी प्रशासन की ओर से हरियाणा विधानसभा के लिए आवंटित की जाने वाली 10 एकड़ भूमि चंडीगढ़ यूटी का ही हिस्सा रहेगी।

पांच लाख की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ आयकर अधिकारी

माही की गूंज, मंदसौर।

5 लाख रुपए रिश्वत लेते समय मंदसौर के आयकर अधिकारी रामगोपाल प्रजापति को भोपाल सीबीआई टीम ने मंगलवार को रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई सुवासरा के रहने वाले उद्योगपति की शिकायत पर हुई। रिश्वत की मांग 2 वर्ष में भरे इनकम टैक्स को आधार बनाकर की जा रही थी। आयकर अधिकारी अगस्त में ही स्थानांतरण के बाद मंदसौर पदस्थ हुए थे। इसके बाद से लगातार शिकायतों के चलते नवंबर में विभाग ने उनका भोपाल तबादला किया था।

इसे आयकर सलाहकार संघ के सहयोग से 15 दिन पहले ही उन्होंने रुकवाया था। इन्हें बुधवार को सीबीआई कोर्ट भोपाल में पेश किया गया। सुवासरा निवासी संदीप मेहता मुंबई स्थित कोमल इंडस्ट्रीज केलिनो स्विचेज के संचालक हैं। उन्होंने 18 नवंबर को सीबीआई भोपाल में शिकायत की। बताया कि उनकी इंडस्ट्री महाराष्ट्र में है लेकिन टैक्स का आकलन मंदसौर कार्यालय में होता है। वे 2 साल से लगातार 20-20 लाख रुपए टैक्स भर रहे हैं। मंदसौर के आयकर अधिकारी प्रजापति उनसे 10 लाख रुपए रिश्वत मांग कर रहे हैं।

इसके बाद टीम ने फरियादी मेहता से दोनों के बीच बातचीत का ऑडियो मंगवाया। 20 नवंबर की शाम को मेहता के साथ टीम मंदसौर पहुंची। यहां मेहता व प्रजापति के बीच रुपयों को लेकर सेटलमेंट हुआ। बात 5 लाख रुपए में तय हुई। मंगलवार सुबह मेहता 5 लाख रुपए लेकर आयकर कार्यालय पहुंचे। जैसे ही उन्होंने प्रजापति को रुपए दिए वैसे ही टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। टीम ने आरोपी आयकर अधिकारी प्रजापति के इंदौर में अग्रवाल पब्लिक स्कूल के पास स्थित कालिंदी कुंज पिपलिया हाना स्थित निवास पर भी कार्रवाई की। टीम में एएसपी अतुल हजेला, डीएसपी दीपक पुरोहित, इंस्पेक्टर सतीश बरवाल आदि शामिल थे।

नकद के लिए कर रहे थे परेशान, मरने की आ गई थी नौबत

मेहता ने बताया कि, प्रजापति ने उन्हें इतना परेशान कर दिया था कि मरने की नौबत आ गई थी। दो माह पहले उन्होंने मेरे मिलने वाले एक व्यक्ति को फोन लगाकर मुझे किसी बड़े केस में फंसाने की धमकी दी। मैं मुंबई में रहता हूं इसलिए मैंने फोन पर ही प्रजापति से बात की। परेशान होकर मैंने उन्हें अकाउंट में रुपए भेजने तक का बोल दिया। वे नकद लेने की जिद पर अड़े रहे। फिर मैंने मुंबई में मिलने वालों से चर्चा की। उन्होंने सीबीआई में शिकायत का कहा।

प्रजापति 3 महीने पहले ही आए थे मंदसौर

जानकारी के अनुसार आयकर अधिकारी प्रजापति 5 अगस्त को स्थानांतरित होकर मंदसौर आए। इसके बाद उन्होंने लीव ली। सितंबर में फिर ज्वाइन किया। इसी दौरान वे व्यापारी मेहता को परेशान करते रहे। उन के विषय में मिल रही शिकायतों के बाद प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त भोपाल मोहनीश वर्मा ने प्रदेशभर के करीब 14 अधिकारियों व इंस्पेक्टर के स्थानांतरण किए। इसमें मंदसौर से आयकर अधिकारी प्रजापति का भोपाल व इंस्पेक्टर अभिषेक सिंह का जबलपुर स्थानांतरण हुआ। प्रजापति ने स्थानीय आयकर सलाहकार संघ की मदद से यह स्थानांतरण रुकवा लिया। जानकारी के अनुसार सलाहकार संघ ने अपने पत्र में अधिकारी के बेहतर व्यवहार की सिफारिश की थी। इसके चलते उनका स्थानांतरण रोका गया।

डेढ़ वर्ष पहले ही फेस लेस हो गया आयकर विभाग

विभाग के अनुसार डेढ़ वर्ष पहले ही आयकर विभाग को फेस लेस कर दिया है। इसका मतलब यह है कि आयकर अधिकारी किसी करदाता से नहीं मिल सकते। असेसमेंट भी ऑनलाइन ही किया जाएगा। इतना ही नहीं पुराने असेसमेंट भी ऑनलाइन करना हैं, इसके लिए भी कमिश्नर की अनुमति लेना होगी। इतनी पाबंदी के बाद भी आयकर अधिकारी ने फरियादी मेहता से रुपयों की मांग की।

75 किलो अवैध डोडाचूरा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

मल्हारगढ़ पुलिस ने मंगलवार-बुधवार रात करीब 11 बजे राजस्थान पासिंग ट्रक से 75 किलो अवैध डोडाचूरा बरामद किया है। साथ ही ट्रक ड्राइवर को भी गिरफ्तार किया है। मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ मल्हारगढ़ पुलिस के हफ्ते भर में यह दूसरी कार्रवाई है।

मल्हारगढ़ थाना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को मुखबिर से डोडाचूरा तस्करी की सूचना मिली थी। मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस ने थाना क्षेत्र के बरखेड़ा पंथ फोरलेन हाईवे पर ओवर ब्रिज के पाल से ट्रक क्रमांक आरजे 07 जीसी 3435 को रोका। उसकी तलाशी के छुपाकर रखा 75 किलो अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा बरामद किया है। मौके से पुलिस ने ट्रक चालक दलजीत सिंह पिता परमजीत सिंह सिक्ख निवासी घुडडुवाला थाना मखु तहसील जीरा जिला फिरोजपुर पंजाब को गिरफ्तार किया है। बरामद किए गए डोडाचूरा की कीमत करीब डेढ़ लाख रुपए बताई जा रही है।

पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है। आरोपी को आज कोर्ट में पेश कर रिमांड मांगा जाएगा इसमें पुलिस यह पता लगाएगी की आरोपी ने अवैध मादक पदार्थ कहा से खरीदा ता और कहा ले जा रहा था।

पैसे लेकर छोड़ा तस्करों को, दो आरक्षक निलंबित

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले में मादक पदार्थ को लेकर पुलिस पर आए दिन आरोप-प्रत्यारोप लगते है। ऐसे में जिले के सीतामऊ थाने में पदस्थ दो आरक्षको पर फिर से रुपए लेकर छोडने के मामले की शिकायत के बाद एसपी अनुराग सुजानिया ने उन्हें निलंबित कर दिया है। दोनों आरक्षकों पर तस्करों से साठ-गांठ कर तस्कर को छोडने जैसे आरोप हैं। बताया जा रहा है कि सीतामऊ थाने मे पदस्थ कीर्ति जाट और नीरज सिंह ने बीते रविवार को सीतामऊ के लदुना रोड पर एक तस्कर को अवैध अफीम के साथ पकड़ा था। आरक्षकों ने तस्करों को मौके पर ही ले दे कर छोड़ दिया था।

डोडाचूरा व अफीम की तस्करी के मामले में जिले की पुलिस आए दिन सुर्खियों में रहती है और काले सोने का गढ़ कहे जाने वाले मंदसौर में पुलिस इसी को लेकर बदनाम है। दो आरक्षक मामले में निलंबित हुए है। लेकिन इसके पहले भी कई बार इसी तरह की शिकयतों में जिले में पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई हो चुकी है।

एसपी तक पहुंची शिकायत तो हुई कार्रवाई

दोनों आरक्षकों की साठ-गांठ की गोपनीय शिकायत एसपी सुजानिया से की गई थी। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर दोनों आरक्षकों के लेन-देन कर कर 700 ग्राम अफीम के मामले में तस्कर को तीन लाख लेकर छोडने की चर्चे वायरल हो रहे थे। इसके बाद एसपी सुजानिया ने दो आरक्षकों को सस्पेंड कर दिया है।

मामले में एसपी अनुराग सुजानिया ने बताया कि, सीतामऊ थाने में पदस्थ दोनों आरक्षकों के खिलाफ गंभीर शिकायत मिली थी। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर वायरल हो पोस्ट के बाद दोनों आरक्षकों को ससपेंड किया है। आरोपों की जांच के लिए निर्देश दिए गए है।

कृष्णा फाउंडेशन स्कूल प्रीमियर लीग दूसरे दिन कई मैच खेले गए

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

कृष्णा फाउंडेशन के तत्वाधान में मनाए जा रहे स्कूल प्रीमियर लीग के तहत मंगलवार को बैडमिंटन मैच की शुरूआत नगर पालिका टाउन हॉल में की गई। कार्यक्रम मे अतिथि के रूप में जनता पार्टी के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कान्हसिंह चौहान, नगर पालिका जावरा के पूर्व अध्यक्ष अनिल दसेडा उपस्थित रहे। स्कूल प्रीमियर लीग में दूसरे दिन टेबल टेनिस एवं शतरंज के खिलाड़ियों ने फाइनल पोजीशन के लिए अपने खेल का प्रदर्शन किया। टेबल टेनिस बालक वर्ग में महावीर इंटरनेशनल स्कूल जावरा के धर्म मकवाना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। जावरा पब्लिक स्कूल में केवल बोहरा ने द्वितीय और अगम राका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शतरंज प्रतियोगिता बालिका वर्ग में श्री महावीर इंटरनेशनल स्कूल जावरा की शुभी आचलीया ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और जावरा पब्लिक स्कूल की देशना बर्दिया ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। शतरंज के बालक वर्ग में अनिकेत शर्मा सेंट पीटर ने प्रथम एवं वेदांत मनसुखानी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। टेबल टेनिस के बालिका वर्ग टूर्नामेंट में सेंट पीटर कॉन्वेंट स्कूल ने प्रथम व त्रिमूर्ति हायर सेकेंडरी स्कूल की अक्षरा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। क्रिकेट में त्रिमूर्ति हायर सेकेंडरी स्कूल ने सेंट पीटर कान्वेंट स्कूल के साथ मैच खेला जिसमें सेंट पीटर कॉन्वेंट स्कूल ने 17 रन से जीत दर्ज की। दूसरे मैच में सेंट पॉल कॉन्वेंट स्कूल ने महावीर जैन इंटर नेशनल स्कूल के खिलाफ मैच खेला जिसमें सेंट पाल कॉन्वेंट स्कूल ने यह मैच जीता। तीसरे मैच में सेंट हैदर स्कूल ने त्रिमूर्ति हायर सेकेंडरी स्कूल के खिलाफ खेला जहां त्रिमूर्ति हायर सेकेंडरी स्कूल ने मैच जीता।

सीएम हेल्पलाईन निराकरण में जिला टॉप 10 में

माही की गूंज, शाजापुर। सीएम हेल्पलाईन के तहत माह अक्टूबर 2022 में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में प्रदेश स्तर से जारी रैंकिंग में पुलिस प्रशासन शाजापुर रेंज में प्रथम स्थान पर रहा, वहीं प्रदेश में अपने समूह में सातवॉ स्थान प्राप्त हुआ है।

एएसपी टीएस बघेल ने बताया कि, माह अक्टूबर 2022 में 466 शिकायतें प्राप्त हुई थी जिनका संतुष्टि पूर्वक से बंद कराने में जिले का स्कोर संपूर्ण झोन में एसपी जगदीश डावर के नेतृत्व में प्रथम स्थान पर रहा है। वहीं प्रदेश में अपने समूह में टॉप 10 में 7 वॉ स्थान पर रहा है। एएसपी ने बताया कि, जिले को प्रथम स्थान पर लाने के लिए एसपी जगदीश डावर ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे। प्रतिदिन संयुक्त रूप से सर्वाधिक लंबित शिकायतों वाले थानो व पुलिस अनुविभागीय अधिकारियों की समीक्षा एवं मॉनिटिंग की जा रही थी। आवेदकों की समस्याओं को समक्ष में सुना जाकर उनकी समस्याओं का निराकरण भी कराया गया। जिसके फलस्वरूप माह अक्टूबर 2022 में प्राप्त शिकायतों के निराकरण में प्रदेश स्तर से जारी रैंकिंग में पुलिस प्रशासन शाजापुर को रेंज में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। वहीं अपने समूह में प्रदेश में टॉप 10 में 7 वॉ स्थान मिला है। माह अक्टूबर 2022 में प्राप्त शिकायतों को संतुष्टि से बंद कराने में भी जिले का स्कोर संपूर्ण रेंज में सर्वाधिक रहा है। एसपी जगदीश डावर ने इसके लिए एएसपी टीएस बघेल व समस्त एसडीओपी तथा सभी थानो के प्रभारीयों को बधाई दी।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को मिली पांच वर्ष की कैद

माही की गूंज, मंदसौर।

नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ के मामले में कोर्ट ने एक आरोपी को 5 वर्ष कैद की सजा सुनाई। सजा विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट ने दी। अभियोजन मीडिया सहायक शोएब खान ने बताया कि, 27 फरवरी 2022 को बच्ची की मां ने दलौदा थाना पर शिकायत की। बताया शाम साढ़े 5 बजे खेत से लौटने पर बड़ी बेटी ने बताया कि, वह तथा उसकी बहन दोनों घर के बाहर खेल रहे थे। गांव के बंटी अंकल ने उसे 10 रुपए दिए और वह उनके पीछे-पीछे चली गई। अंकल ने उसका हाथ पकड़कर उसे मांगलिक भवन के बाथरूम में ले गए और नीचे गिरा दिया। वहां उसके दादा आ गए और अंकल को मारा तो अंकल वहां से भाग गए। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी बंटी उर्फ विनोद पिता शिवलाल (25) को गिरफ्तार किया। कोर्ट में प्रस्तुत साक्ष्यों से सहमत होकर आरोपी को दंडित।

पेंशनर्स भोपाल में करेंगे प्रदर्शन, होगा बड़ा आन्दोलन

माही की गूंज, शाजापुर।

मध्यप्रदेश पेंशनर्स एसोसिएशन के तत्वाधान में शाजापुर जिले के पेंशनर्स कर्मचारियों की बेठक सम्पन्न हुई, जिसमें 24 नवम्बर को राजधानी भोपाल में प्रदर्शन कर प्रांतव्यापी आन्दोलन में भाग लेने का निर्णय लिया गया। पेशनर्स एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष राजेन्द्र रिणवा एवं उपाध्यक्ष मनोहरसिंह नायक तथा विधुत पेंशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष केएस पाण्डे ने बताया कि, म.प्र. शासन की सेवानिवृत्त कर्मचारियों की जायज मांगो के प्रति उपेक्षा और भेदभावपूर्ण नीति के विरोध में उक्त आंदोलन किया जा रहा है। जिसमें शाजापुर जिला मुख्यालय के साथ ही शुजालपुर कालापीपल क्षेत्र के 30 कर्मचारियों का प्रतिनिधि मंडल भोपाल जाकर प्रदर्शन करेगा।

उक्त बेठक में 17 दिसम्बर को आयोजित पेंशनर्स दिवस पर स्थानीय गांधी हॉल में आयोजित समारोह के संबंध में चर्चा कर निर्णय लिया गया कि पेंशनर्स के लिए कार्यक्रम स्थल पर स्वास्थ्य परीक्षण शिविर लगाया जाए। जिसमें आयुर्वेदिक तथा एलोपेथिक पद्वति से निःशुल्क उपचार कराने की व्यवस्था की जाए। बैठक में पेंशनर्स संघ के पूर्व अध्यक्ष डॉ. जगदीश भावसार ने आंदोलन की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सोमचंद जैन, डीके श्रीवास्तव, देवेन्द्र शर्मा, कर्नल सक्सेना, रामचंद्र चौहान, रामकृष्ण गोठी, सुखदेव भावसार, शंकर शर्मा, मनोहरलाल श्रीवास्तव, गुलाब गुप्ता, डीआर भुतेश्वर, डीआर दुबे, दिनेश खत्री, राजीव शर्मा, डीएस राय, चंद्रकांत मोहाडकर आदि उपस्थित थे।

11 वर्ष की छोटी सी आयु में लक्ष्य जैन ने 12 गोल्ड मेडल प्राप्त कर जिले का नाम किया रोशन

ग्वालियर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्राप्त किया मेडल

माही की गूंज, रतलाम/जावरा।

शहर के होनहार बालक लक्ष्य जैन (डांगी) पिता सुरेंद्र डांगी जिनकी आयु मात्र 11 वर्ष है और 11 वर्ष की छोटी आयु में लक्ष्य जैन ने कराटे में 12 गोल्ड, 1 सिल्वर, 1 कांस्य पदक प्राप्त किए हैं। यहां यह उल्लेखनीय है कि, 19-20 नवंबर 2022 को ग्वालियर में आयोजित जूनियर राज्य स्तरीय कराटे चैंपियनशिप में लक्ष्य ने अपना 12 वा गोल्ड मेडल हासिल कर प्रदेश में अपनी प्रतिभा की छाप छोड़ी है एवं प्रदेश भर में अपना और जावरा (जिला रतलाम) शहर का नाम रोशन किया है। लक्ष्य जैन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार एवं रतलाम जिला कराटे डेवलपमेन्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश ओस्तवाल, सचिव एवं कोच बलवंत सिंह देवड़ा को दिया।

निडर होकर करें सहयोग- एसपी

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

ग्राम रक्षा समिति पुलिस का अभिन्न अंग है। सामाजिक दृष्टिकोण से सुरक्षा समिति के सदस्यों की भूमिका अहम होती है। यह बात एसपी जगदीश डावर ने जिले के बेरछा थाना क्षेत्र में पुलिस अनुभाग स्तरीय ग्राम रक्षा समिति सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि, सम्मेलन का उद्देश्य सदस्यों को गांव की सुरक्षा के प्रति जागरूक करना, अमन चैन की कायमी एवं पुलिस व्यवस्था बनाने में पुलिस के साथ ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्य अपनी सक्रियता का परिचय देकर जिम्मेदारी पूर्वक पुलिस का सहयोग कर सभी सदस्य इस समाज सेवा के कार्य को अपने जीवन में महत्वपूर्ण स्थान दें।

एसपी डावर ने कहा कि, ग्राम रक्षा समिति के सदस्यों की महती भूमिका पुलिस सेवा में रहती है इसके लिए आप की एक सूचना बड़े अपराध को रोकने और अपराधियों को पकडने में होती है। इसलिए पुलिस सेवा में रक्षा समिति की अहम भूमिका होती है अपने संचार तंत्र को बढ़ाए और पुलिस के लिए सहयोग करें।

गांव की व्यवस्थाएं स्वयं भी देखें

इस दौरान एसपी जगदीश डावर ने क्षेत्र में कानून व्यवस्था, लोक व्यवस्था बनाये रखने व अपराधों की रोकथाम, जागरूकता व नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करने तथा अधिक से अधिक नवयुवकों को पुलिस से जुडने की अपील की गई। सम्मेलन को संबोधित करते हुए एएसपी टीएस बघेल ने साइबर अपराध व आनलाइन ठगी के बारे में सभी सदस्यों को दूर दराज ग्रामीण इलाकों में लोगों को जागरूक बनाए जाने में ग्राम रक्षा समिति के सदस्य अपने दायित्वों का निर्वहन के बारे में सभी को बता कर अपने गांव की व्यवस्थाएं स्वयं भी देखें एवं जिम्मेदार रहने का आव्हन किया।

ग्राम रक्षा समिति के सदस्य सम्मिलित हुए

सम्मेलन में बेरछा, सुन्दरसी, सलसलाई थानों व गुलाना चौकी के ग्राम रक्षा समिति के सदस्य सम्मिलित हुए जिन्हे सुरक्षा सामग्री भी प्रदान की गई। इस अवसर पर एसडीओपी भविष्य भास्कर, बेरछा थाना प्रभारी एनीम टोप्पो, सलसलाई थाना प्रभारी टीआर पटेल व सुन्दरसी थाना प्रभारी तथा गुलाना चौकी प्रभारी रतनसिंह परमार मौजूद रहे। सम्मेलन को एसडीओपी भविष्य भास्कर व पूर्व कप्तान प्रकाश चौरसीया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन मनीष चौरसीया ने किया तथा आभार बेरछा थाना प्रभारी एनीम टोप्पो ने माना। इस अवसर पर शलभ शर्मा, ललीत जैन, ओम मोदी, सुनील नाहर, योगेन्द्र सोनी, धर्मेन्द्र वर्मा सहित बडी संख्या में अनुभाग के ग्राम रक्षा समिति सदस्यगण उयस्थित थे।

साला मैं तो साहब बन गया, मैं जो कहूं वही सही बाकी सब गलत

माही की गूंज, थांदला/खवासा।

उप लोकसेवा केन्द्र खुलने के बाद भी गुरूवार को छोड टप्पा तह. पर लगे रहते है ताले।

नायब तहसीलदार का सरकारी निवास पर साहब के नही रहने से निवास व पार्किंग बन चुका है खंडहर।

नियमों का पालन करवाना ही हमारा दायित्व है कि, बात कहने वाले खवासा टप्पा तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार की कथनी ऐसी है कि, साला मैं तो साहब बन गया और मैं जो कहूं वही सही बाकी सब गलत। यानी साहब अपनी साहब गिरी इस तरह झाड़ते हैं कि, पूरी कानून व्यवस्था या नियम कायदे सिर्फ नायब साहब कह दे वही सही होता है, बाकी असल नियमों से उन्हें कोई लेना- देना नहीं है।

साहब की उक्त करनी और कथनी में अंतर क्यों है...? माही के गूंज ने जानने का प्रयास किया तो सामने आया, साहब कुछ भी काम बिना लिए-दिए नहीं करते और जिनसे मिलता उनके लिए साहब कह दे वही कानून और जिनसे नहीं मिलता उनको नियमों का पाठ पढ़ाकर कहते हैं, नियमों का पालन करवाना ही हमारा दायित्व है और उन्हें नियमों के नाम पर उनकी कार्य व्यवस्था में फर्क आकर व्यक्ति को उनके कार्य में परेशानी उत्पन्न करते हैं वरन् कार्य को भी लंबित प्रक्रिया में डाल दिया जाता है।

जी, हां यह सारा कृत्य खवासा की टप्पा तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार अनिल बघेल द्वारा किया जाना, सामने आ रहा है। खवासा में टप्पा तहसील कार्यालय बनने के साथ पटवारी व नायब तहसीलदार के लिए सरकारी आवास भी बनाए गए। लेकिन अब तक जो भी खवासा में नायब तहसीलदार के रूप में पदस्थ हुए एक भी नायब तहसीलदार ने खवासा सरकारी आवास को अपना निवास स्थान नहीं बनाया। वही पटवारी निवास पर पटवारी ने भी अपना निवास नहीं बनाया, परंतु पटवारी कार्यालय के रूप में जरूर इस निवास स्थान का उपयोग किया जा रहा है।

वर्तमान में पदस्थ नायब तहसीलदार खवासा में एक दिन गुरुवार को टप्पा तहसील कार्यालय में बैठ सप्ताह में एक दिन कार्य कर अपने कार्य की इतिश्री करते हैं बाकी दिन थांदला में रहते हैं। जिससे क्षेत्र के लोगों को खवासा में टप्पा तहसील होने के बाद भी समय पर कार्य नहीं होकर खवासा के बजाय गुरुवार को छोड़ थांदला तहसील कार्यालय के चक्कर काटने को मजबूर होना पड़ता है। षासन की योजनानुसार टप्पा तहसील स्तर पर उप लोकसेवा केंद्र खुलने के तहत खवासा में उप लोकसेवा केन्द्र खुल चुका है जिसके बावजुद भी साहब अपनी साहबगिरी झाडते हुए गुरूवार के अलावा खवासा कार्यालय पर नही आते है। वही नायब साहब अपने कार्यलयीन कार्य में जमीन के नामांतरण व विभाजन जैसी सामान्य प्रक्रिया में अपने बाबू रमेश लछेटा के माध्यम से अनाधिकृत एक निर्धारित फीस के साथ कार्य को किया जाता है। ये भ्रष्ट इतने बैखोब है कि कोई ग्राम या क्षेत्र में प्रभावशाली व्यक्ति होता है, उनसे भी बाबू रमेश लछेटा कार्यलयीन कार्य के बदले साहब के खर्चे-पानी के नाम से रिश्वत की मांग कर लेते हैं और यह रिश्वत देने में कोई असहमति दर्शाता है तो बाबू रमेश लछेटा, अपने साहब को इशारों-इशारों में कुछ भी कमियों का होना बता दिया जाता है। जिसके बाद नायब साहब अपने बाबू का इशारा रिश्वत नहीं मिलने के रूप में समझ जाते हैं, फिर नायक साहब अपने चेंबर में ÷साला मैं तो साहब बन गया÷ की तर्ज पर अपनी साहबगिरी झाड़ सामने वाले व्यक्ति को नियमों का पाठ पढ़ाकर कहने लग जाते है कि, हम यहां नियमों का पालन करवाने के लिए ही बैठे हैं और रूटीन कार्य को भी लंबित अवस्था में डाल दिया जाता है।

साला मैं तो साहब बन गया की तर्ज पर अनिल बघेल झाडते है रोब।

इसी तरह पटवारी के माध्यम से भी साहब अपनी अनाधिकृत फीस के बिना कोई कार्य नहीं करने देते हैं। नतीजन साहब के अनाधिकृत निर्देशन में ऐसी भी त्रुटिया कर दी जाती है जिसे त्रुटि सुधारने के लिए सामने वाले पीड़ित व्यक्तियों से उनकी मजबूरी का फायदा उठाकर रिश्वत लेकर त्रुटि को सुधारा जा सके।

ऐसा ही एक मामला नायब तहसीलदार अनिल बघेल के अनाधिकृत निर्देशों के साथ तत्कालीन पटवारी रूपसिंह भूरिया ने पिछले वर्ष रबी फसल के समय किसानों की बोवनी के बावजूद राजस्व रिकॉर्ड में जिन किसानों ने रबी की फसल बोई गई थी, उन किसानों के रिकॉर्ड में भी रबी फसल को नहीं बोना बताकर, फसल का उपज नहीं बताया गया। जिससे किसानों की रबी फसल की उपज के बावजूद भी उनकी फसल की बिक्री हेतु पंजीयन नहीं हो पा रहा था। त्रुटि सुधार के लिए किसानों से रिश्वत मांगी जा रही थी। इसी कड़ी में किसान प्रेमसिंह चौधरी जो कि, राजनीति से भी जुड़े होकर जनपद सदस्य रहे वहीं वर्तमान में जनपद उपाध्यक्ष के पति भी है से भी पटवारी ने साहब के खर्च पानी के नाम पर कृषि खाते में त्रुटि सुधार एवं रबी फसल गेहूं, चने की बिक्री हेतु ऑनलाइन पंजीयन के नाम पर रिश्वत मांगी गई थी। जिसके बाद शिकायत होने पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने रिश्वत मांगने वाले पटवारी भूरिया को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया था। लेकिन इस सिस्टम को अनाधिकृत निर्देश से चलाने वाले नायब तहसीलदार अनिल बघेल बच गए। वैसे तो ऐसे मामलों में अधिकांश बड़ा अधिकारी बच ही जाता है और छोटा कर्मचारी पटवारी भूरिया की तर्ज पर फस जाता है।

लछेटा बाबू लोकायुक्त से हो चुके ट्रेस

बात करें टप्पा तहसील में पदस्थ बाबू रमेश लछेटा की तो वह साहब के निर्देशन में रिश्वत लेने में माहिर ही है। चूँकि पूर्व में झकनावदा टप्पा तहसील में पदस्थ होकर पेटलावद तहसील कार्यालय में रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त टीम ने रंगे हाथ धर दबोचा था। जिसके बाद भ्रष्ट लछेटा बाबू सांठ-गांठ में माहिर होकर अपनी कार्य गुजारियों के साथ बहाल होकर थांदला एवं खवासा की टप्पा तहसील में बैठ, नायब तहसीलदार अनिल बघेल के निर्देशन में चांदी काटी जा रही है के कई उदाहरण लोगों द्वारा चश्मदीद देखे जा रहे हैं।

निरंतर...

पेसा एक्ट की जानकारी हेतु विशेष ग्राम सभा का हुआ आयोजन

सर्वसम्मति से हुआ समितियों का गठन

माही की गूंज, आम्बुआ।

मध्य प्रदेश शासन द्वारा अभी हाल ही में लागू पेसा एक्ट के विषय में प्रचार-प्रसार किया जा रहा। इसके लिए ग्राम पंचायतों ने विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन संपन्न होने तथा समितियों के गठन की जानकारी प्राप्त हुई है।

गूंज संवाददाता को ग्राम पंचायत आम्बुआ के सचिव बद्रीलाल भाबर ने बताया कि, शासन के आदेशानुसार आम्बुआ ग्राम पंचायत में अंतरसिंह रावत की अध्यक्षता में 22 नवंबर को पेसा एक्ट की जानकारी प्रदान करने हेतु विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। जिसमें आदिवासी जनजाति हितार्थ एक्ट की जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी जा कर दो समितियों का गठन किया गया। सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार शांति एवं विवाद निवारण समिति में नारायण सिंह मोतेसिंह रावत, सुरेंद्रसिंह भीकनसिंह , जितेंद्र मानसिंह, श्रीमती सुरमा मनोज, श्रीमती पिंटू संजय, श्रीमती पिंकी प्रताप रावत तथा वन संसाधन योजना एवं निराकरण समिति में अंतरसिंह मोतेसिंह, भागीरथ लक्ष्मणसिंह, विजय अजमेरसिंह, केरिया वेस्ता, श्रीमती थावली कमलेश, दितली ईडला, श्रीमती पारी अजमेरसिंह रावत को लिया गया। इसके अलावा बैंक खाता खोलने हेतु विजयसिंह रमेश रावत तथा श्रीमती इडीबाई थानसिंह भयडिया का नाम प्रस्तावित किया गया। ग्राम सभा में सरपंच रमेश रावत, उपसरपंच थानसिंह भयडिया, पूर्व उपसरपंच भरत माहेश्वरी, हासिम अली बोहरा, वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, मोहम्मद अब्बास भाई के साथ ही पटवारी जितेंद्र डुडवे, कृषि विस्तार अधिकारी सुश्री रंजना सोलंकी, उद्यानकी विभाग से सुश्री नादान मुवेल तथा ग्रामीण, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई शिक्षा नीति और परियोजना कार्य पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

माही की गूंज, खरगोन।

पीजी कॉलेज खरगोन में प्राचार्य डॉ. आरएस देवड़ा के मार्गदर्शन में बुधवार को बीए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को नई शिक्षा नीति से संबंधित प्रावधानों तथा परियोजना कार्य से संबंधित जानकारी देने के उद्देश्य कार्यशाला का आयोजन माता हॉल में किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की संयोजक डॉ. वंदना बर्वे ने विद्यार्थियों को परियोजना कार्य एवं इंटर्नशिप की विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं डॉ. ललिता बर्गे ने अर्थशास्त्र विषय में प्रोजेक्ट कार्य पर मार्गदर्शन दिया गया। डॉ. वैशाली मोरे ने विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट लेखन पर जानकारी दी। प्रो. मनोज भार्वे ने स्वयं पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने और इसके माध्यम से अध्ययन करने की जानकारी दी और ऑनलाइन माध्यमों से अध्ययन करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। डॉ. गणेश पाटिल ने बताया कि प्रोजेक्ट हस्तलिखित बनाना चाहिए। साथ ही उन्होंने मेजर माइनर, ओपन इलेक्टिव तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम जानकारी भी विद्यार्थियों को दी। प्रो. सन्दीप बिडला ने स्वयं पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने की प्रकिया समझाई। इस दौरान महाविद्यालय के शिक्षत सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मनोरोग के कारण पांच वर्ष से गुमशुदा पुत्र को आशा आश्रय ने पिता से मिलाया

माही की गूंज, बड़वानी।

किसी पिता के लिए इससे अच्छी भला क्या बात हो सकती है जब वर्षों से गुमशुदा पुत्र उन्हें मिल जाए। और वह भी स्वस्थ हालत में यह सब संभव हो पाया है आशाग्राम ट्रस्ट द्वारा संचालित निराश्रित मानसिक रोगियों के आशा आश्रय गृह में जहां पांच वर्ष से निमरानी क्षेत्र के ढाबे में कार्यरत पिता से उसका इकलौता पुत्र संजू की मनो स्थिति ठीक नहीं होने के कारण घर से निकल गया था।

मनोरोगी संजू के पिता बताते हैं कि, मैंने अपने पुत्र के जीवित होने की आस छोड़ दी थी किंतु आशा आश्रय की टीम ने मेरे पुत्र का समुचित उपचार कर पुत्र के माध्यम से बताए गए पते पर खोजबीन कर मुझे अपने पुत्र के सकुशल होने की सूचना दी। जिस पर आज में उसे अपने घर ले जाने के लिए आया हूं। वही कुश्ी के मनो उपचारित सचिन भावसार को भी बड़े भाई और पिता के सुपुर्द किया गया जो दो माह पूर्व आशा आश्रय में उपचार के लिए लाया गया था।

आशा आश्रय गृह से उप निरीक्षक अमर सिंह अलावा की उपस्थिति में आशा ग्राम ट्रस्ट के कार्यकर्ताओं एवं न्यासी व आश्रय ग्रह के संचालक राजेंद्र सोनी व सामाजिक न्याय निःशक्तजन कल्याण के प्रतिनिधि देवेंद्र पंडित की उपस्थिति में साल श्रीफल भेंट कर परिवार के साथ मनो उपचारित सदस्यों की विदाई की गई। निराश्रित मनो रोगियों को संपूर्ण उपचार के बाद परिजनों को खोज कर उनका परिवार में पुनर्वास किया जाता है। यह प्रक्रिया निरंतर कलेक्टर एवं अध्यक्ष आशा ग्राम ट्रस्ट शिवराज सिंह वर्मा के मार्गदर्शन में साकार हो रही है।

चैकसी वाला ज्वेलर्स के समन्वय से आशाग्राम ट्रस्ट द्वारा संचालित आशा आश्रय में निराश्रित मनो रोगियों का निःशुल्क उपचार मनोरोग विशेषज्ञ डॉक्टर राहुल पाटीदार के द्वारा किया जाता है। वही आश्रय गृह की टीम पारिवारिक माहौल में परामर्श कौशल से मनोरोगयों से उनके परिजनों की जानकारी प्राप्त कर उनका परिवार में पुनर्वास सुनिश्चित करवाते हैं। इस दौरान मनीराम नायडू, समाधान पाटील, श्रीमती शीतल भावसार उपस्थित थे।

डायवर्सन एवं अर्थदण्ड की राशि जमा नहीं कराने वालों की सम्पति की जाए कुर्क - कलेक्टर

माही की गूंज, बड़वानी।

राजस्व विभाग के अंतर्गत डायवर्सन व अर्थदण्ड की राशि राजस्व अधिकारियो द्वारा वसूल की जाए। बकायादारों को पहले नोटिस जारी किया जाए एवं राशि जमा करने हेतु समय सीमा दी जाए। तय समय सीमा में राशि जमा नहीं करने वाले बकायादारो की सम्पति कुर्क कर अर्थदण्ड व डायवर्सन की राशि वसूली जाए। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने बुधवार को कलेक्टर कार्यालय बड़वानी के सभागृह में आयोजित राजस्व अधिकारियो की समीक्षा करते हुये उक्त निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर, तहसीलदार बड़वानी श्रीमती आशा परमार सहित खण्ड स्तरीय राजस्व अधिकारी वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से जुडे थे।

बैठक में कलेक्टर ने आरसीएमएस पोर्टल, मुख्यमंत्री जनसेवा अभियान, वनग्राम से राजस्व ग्राम में परिवर्तन, मुख्यमंत्री नगरीय आवासीय भू-अधिकार योजना, लोक परिसम्पति, भू-माफिया से अतिक्रमण से शासकीय भूमि की मुक्ति, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना एवं नक्शा तरमीम पखवाड़ा की समीक्षा की। सीएम हेल्पलाइन के शिकायतकर्ताओं से प्राप्त की जानकारी राजस्व अधिकारियो की बैठक के दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होने सीएम हेल्पलाइन पर शिकायत करने वाले शिकायतकर्ताओं से भी मोबाइल के माध्यम से चर्चाकर शिकायत के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

दो डंपर रॉयल्टी से अधिक मात्रा में रेत परिवहन करते किए जप्त

माही की गूंज, खरगोन।

जिले में खनिज विभाग द्वारा रेत गिट्टी के अवैध उत्खनन परिवहन पर लगातार कार्रवाई जारी है। मंगलवार-बुधवार को रात्रि में भी विभाग के अधिकारी अपनी दो टीमों के साथ बड़वाह क्षेत्र में गस्त करते रहे थे। खनिज अधिकारी सावन चौहान ने बताया कि, रातभर गस्त करते रहे। आखिरकार सुबह लगभग साढ़े 5 बजे काटकूट फाटक से एक रेत का एक डम्पर गुजरा। रॉयल्टी जांची गई तो रॉयल्टी से अधिक ओवरलोड होना पाया गया। कुछ देर बाद यही से एक और डम्पर निकला। इसमें भी उसी तरह रॉयल्टी से अधिक रेत पायी गई। दोनों डम्पर एमपी 09 एच् एच् 3294 और एमपी 09 जीएफ 7714 को थाना बड़वाह की अभिरक्षा में खड़ा करवाया गया। दोनों वाहनों पर मप्र खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

सचिवों ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, थांदला।

पंचायत सचिवों ने स्थानीय नवीन कृषि उपज मंडी प्रांगण में बैठक कर आठ सूत्रीय मांगे मुख्यमंत्री के नाम, क्षेत्रीय विधायक वीरसिंह भुरिया को ज्ञापन सौपकर मांगो के निराकरण की मांग की है।

सचिव संगठन द्वारा दिए गए ज्ञापन में मुख्य मांग पंचायत ग्रामीण विकास विभाग में संविलियन, सातवाँ वेतनमान, पदोन्नति, अंशदायी पेंशन के स्थान पर पुरानी पेंशन लागू करना, अनुकंपा नियुक्ति शिथिल करने रोस्टर प्रणाली के नियमों में संशोधन, मृत्यु होने पर अनुग्रह सहायता राशि 10 लाख तक चिकित्सा सहायता तथा सेवानिवृत्त होने पर ग्रेज्युटी के रूप में 5 लाख प्रदाय करने इत्यादि मांग की गई।

इस अवसर पर सचिव संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष मोतीसिंह नायक, जिला उपाध्यक्ष रामसिंह मुणिया, जिला प्रवक्ता सन्तोष माली, जिला महामंत्री प्रदीप नायक, ब्लॉक अध्यक्ष भावजी डामोर, थांदला तकेसिंह, नायक मेघनगर जयंतीलाल मकवाना, भीमसिंह मुणिया, सुमानसिंह मुणिया, कमलेश चौहान समेत दोनों ब्लॉकों के बड़ी संख्या में सचिव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कप खेल प्रतियोगिता हुई आयोजित

माही की गूंज, थांदला।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा विकासखंड स्तरीय मुख्यमंत्री कप खेल प्रतियोगिता का आयोजन स्थानीय दशहरा मैदान पर किया गया। मंचासीन अतिथिगणों में मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष लक्ष्मी पणदा व विशेष अतिथि भाजपा मंडल महामंत्री सुनील पणदा, भाजपा नेता संजय भाबर तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी स्वरूप नारायण श्रीवास्तव, बालक उत्कृष्ट प्राचार्य सरिता ओझा, उच्च माध्यमिक शिक्षक हेमेंद्रसिंह चंद्रावत, पार्षदगण माया सोलंकी, जगदीश प्रजापत उपस्थित थे। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथिगणों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया व दीप प्रज्वलित कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात खेल प्रतियोगिताएं प्रारंभ की गई। ब्लॉक युवा समन्वयक नितिन डामर ने बताया कि, विकासखंड थांदला क्षेत्र के आसपास के दूरदराज ग्राम व विद्यालय के 18 वर्ष से कम आयु के लगभग 400 प्रतिभावान खिलाड़ियों ने खेल प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर भाग लिया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का पंजीयन किया गया, सभी छः खेल में चयनित खिलाड़ी 30 नवंबर को जिला स्तरीय मुख्यमंत्री कप खेल प्रतियोगिता झाबुआ में भाग लेंगे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता से चयन होने पर संभागीय मुख्यमंत्री कप खेल प्रतियोगिता तथा संभागीय प्रतियोगिता से चयन होने पर राज्य स्तरीय मुख्यमंत्री कप खेल प्रतियोगिता में खिलाड़ी सम्मिलित किये जायेंगे।

प्रेमचंद की कालजयी कहानी पूस की रात का हुआ मंचन

माही की गूंज, बड़वानी।

माई बाप ! अभी पैसे नहीं है, रहम कीजिए। फसल पकेगी तो मैं आपके दो रुपये दे दूंगा। हल्कू ! दो रुपये नहीं, तीन रुपये ! एक रुपया ब्याज का कौन देगा। मुझे आज ही पैसा चाहिए। वर्ना, मैं तुम्हारे बैल खोल ले जाऊँगा। मुन्नी ! तुम्हारे पास जो पैसे रखे हैं, लाओ, सहना का दे दूं। हल्कू, अगर पैसे सहना को दे दिये तो कम्बल कहां से आयेगी? यह माघ पूस की ठंडी रात कैसे कटेगी? अरे जबरा, आ जा बेटा मैंने ठंड का उपाय कर लिया है आजा, अग्नि मैया की तापनी में तापेंगे। अरे ! खेत गायें नष्ट कर गईं। चलो अच्छा हुआ, अब रात में ठंड में निगरानी तो नहीं करना पड़ेगी।

ये संवाद शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी के प्रांगण में सैकड़ों विद्यार्थियों ने सुने। अवसर था स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के कार्यकर्ताओं द्वारा महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद जी की कालजयी कहानी पूस की रात के मंचन का। कहानी का नाट्य रूपांतरण कार्यकर्ता प्रीति गुलवानिया ने किया। यह आयोजन प्राचार्य डॉ. एनएल गुप्ता के मार्गदर्शन में किया गया। इन्होंने निभाई भूमिका अजय पाटीदार ने हल्कू, वर्षा मुजाल्दे ने हल्कू की पत्नी मुन्नी, मुकेश सुल्या ने कुत्ते जबरु, सुनिल मेहरा ने साहुकार, सतीश अवास्या एवं अंशुमन धनगर ने साहुकार के साथी, स्वाति यादव ने काक भगोड़ा, मोनिका अवासे ने नील गाय की भूमिका का निर्वाह किया। अजय पाटीदार और वर्षा मुजाल्दे के अभिनय को बहुत पसंद किया गया। संगीत संयोजन सूरज सुल्या, राहुल सेन एवं राहुल भंडोले ने किया।

कालजयी और हृदय स्पर्शी है। कहानी नाटक के निर्देशक डॉ. मधुसूदन चौबे ने बताया कि, अंग्रेजी शासनकाल के दौरान लिखी गई यह हृदय स्पर्शी कहानी एक ऐसे किसान की जिंदगी पर आधारित है, जो दिन रात परिश्रम करके भी किसी तरह जिंदगी बसर करता है। उसके पास ओढ़ने के लिए ढंग का कंबल भी नहीं है और वह पूस की ठंडी रातों में चौकीदारी करने जाता है। उसकी फसल को पशु नुकसान पहुंचा देते हैं। उसके हाथ में कुछ भी नहीं आता। अंत में किसान को इस बात में सुख की अनुभूति होती है कि अब ठंडी रातों में चौकीदारी करने का कष्ट नहीं उठाना पड़ेगा। दर्शकों ने बजाई खूब तालियां नाटक की प्रस्तुति प्रभावशाली रही। हल्कू और मुन्नी की नोंकझोंक तथा कुत्ता झबरा की भाग-दौड़ पर उल्लासित होकर दर्शकों ने कई बार तालियां बजाईं तो किसान की बेबस जिंदगी के दृश्यों ने दर्शकों को द्रवित कर दिया। तीन सौ से अधिक विद्यार्थी दर्शकों ने चारों ओर से मंच को घेरकर इस प्रस्तुति का आनंद लिया। अनेक विद्यार्थियों ने इसे अपने मोबाइल कैमरे से वीडियो के रूप में यादगार के लिए सहेज लिया। संचालन वर्षा मालवीया ने किया। आभार वर्षा मुजाल्दे ने व्यक्त किया। सहयोग प्रदीप ओहरिया, सुभाष चौहान, तुषार गोले, खुशी अग्रवाल, उत्तम गुप्ता, समर्पण सेन, अमन सोनी ने किया।

गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर पुलिस लगी चाक चौबंद व्यवस्था में

सीमावर्ती क्षेत्रों मे रखी जा रही निगाह

माही की गूंज, अलीराजपुर।

सीमावर्ती गुजरात राज्य के जिला छोटा उदयपुर एवं दाहोद में 5 दिसम्बर को होनें वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अलीराजपुर पुलिस विगत 2 माह पूर्व से ही संपूर्ण तैयारियों के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में निगाह रखकर कार्रवाई कर रही है। इसी परिप्रेक्ष्य में अब तक 5 बॉर्डर मीटिंग हो चुकी है, जिसमें महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा कर सहमति बनी है।

अलीराजपुर पुलिस ने गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर अब तक अवैध शराब के कुल 777 प्रकरण बनाए हैं, जिसमें 80 लाख 83 हजार रुपए की 18 हजार 666 लीटर देशी/विदशी शराब जप्त की जा चुकी है तथा अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त किए गए 17 वाहनों को भी चैकिंग के दौरान जप्त किया गया है। अवैध शस्त्र के तहत कुल 40 प्रकरणों में हथियार जप्त किए गए हैं। सीमावर्ती 44 ग्रामों के लायसेंसी हथियार निलंबित कराए जाकर कुल 237 लायसेंसी शस्त्र जमा करवाए जा चुके हैं। प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत अब तक कुल 2 हजार 14 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्रवाई की गई है। 671 वारण्ट तामील कराए गए हैं। 35 वारण्ट गुजरात पुलिस को तामील करवाकर दिए गए है।

मतदान दिवस के पूर्व नियमानुसार सीमावर्ती क्षेत्रों में शुष्क दिवस घोषित करवाकर लायसेंसी शराब दुकानों को बंद रखा जाएगा। पुलिस अधीक्षक स्तर पर हुई बैठक में लिए गए निर्णय अनुसार सीमावर्ती पुलिस से समन्वय बनाये रखनें हेतु अति. पुलिस अधीक्षक को नोडल अधिकारी बनाया गया है तथा फरार आरोपियों की धरपकड हेतु 2 टीमे बनाई गई है, जो लगातार दबिशें देकर आरोपियों की धरपकड कर रही है।

एसपी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि, गुजरात राज्य के सीमावर्ती जिला छोटा उदयपुर एवं दाहोद मे होने वाले विधानसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए अलीराजपुर पुलिस के द्वारा चुनाव निर्विघ्न, भयमुक्त वातावरण में शांतिपूर्ण संपन्न कराये जानें के उद्देश्य से संपूर्ण जिलें में असामाजिक तत्वों एवं गतिविधियों पर सूक्ष्मता से निगाह रखी जा रही है। चुनाव आयोग के द्वारा दिए गए निर्देशों का सख्ती से पालन करवाया जा रहा है ताकि अलीराजपुर पुलिस के सकारात्मक सहयोग से सीमावर्ती क्षेत्रों मे चुनाव पूर्व भयमुक्त वातावरण निर्मित कर, शांतिपूर्वक मतदान की कार्रवाई करवाई जा सके।

आजाद नगर थाना प्रभारी व चौकी प्रभारी ने आयोजित की ग्राम सुरक्षा समिति की बैठक

माही की गूंज, बरझर। फिरोज खान

चन्द्रशेखर आजाद नगर थाना प्रभारी आरएस जमरा व नवागत चौकी प्रभारी रविन्द्र डांगी ने ?बरझर ग्राम पंचायत भवन में ग्राम सुरक्षा समिति सदस्य व ग्रामवासियों की बैठक आयोजित की। बैठक में थाना प्रभारी जमरा ने गुजरात राज्य में विधानसभा चुनाव के चलते सीमा पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी दी। साथ ही ग्राम वासियों को थाना प्रभारी ने बताया कि, गुजरात में चुनाव के चलते गुजरात राज्य में जाने से पहले सावधानियां बरते। शराब पीकर शराब व साथ लेकर न जाए। हथियार जैसे बंदूक, धारिया, तलवार ऐसी कोई भी चीज? साथ लेकर गुजरात में प्रवेश न करें, जिससे आप मुसीबत में पड़ जाए। गुजरात चुनाव के चलते बॉर्डर पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अगर आपके पास ऐसी कोई भी चीज बरामद होती है तो आपको वहां की पुलिस गिरफ्तार कर लेगी और आप मुसीबत में पड़ सकते हो। गुजरात में जाने से पहले सावधानियां बरतें, अपने साथ गाड़ी के सभी दस्तावेज, हेलमेट साथ लेकर चले, अगर फोर व्हीलर है तो सीट बेल्ट लगाए व गाड़ी के सभी कागजात साथ ले जाए। साथ ही थाना प्रभारी ने मोबाइल पर होने वाली ठगी के बारे में जानकारी दी।

थाना प्रभारी जमरा ने बताया कि, आपके पास ऐसी कोई भी कम्पनी से कॉल आए ओर आपसे कहे कि आप की लॉटरी खुली है लॉटरी में आपकी गाड़ी खुली है आप ईस अकाउंट में 10 या 20 हजार रुपए डाल दे, तो आप उनके चंगुल में न फंसे। अपना आधार नंबर अपना बैंक अकाउंट का नंबर उन्है न दे। नहीं तो आप ठगी का शिकार हो सकते हो। सावधानी बरतें ऐसी कोई भी जानकारी उससे शेयर न करे, नहीं तो आपके बैंक अकाउंट से पैसे जा सकते हैं।

बैठक में ग्राम वासियों को चौकी प्रभारी ने रात्रि गश्त में पुलिस का सहयोग करने की बात कही। बैठक में ग्राम के वरिष्ठ जन, सरपंच हेमसिंह बारिया, इरशाद खान, चंदूलाल साहू, जोहर हुसैन, अली हुसैन, विक्रम साहू, दयालाल पंचाल, गोवर्धन राठौर, मांगीलाल प्रजापत, कांति मकवाना, दिलीप मकवाना, राम सिंह रावल, करीम खान, रमेश, एजाज खान, कपिल सोनी, पप्पू खान व बड़ी संख्या में ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्य व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

रविन्द्र डांगी ने संभाला चौकी प्रभारी का चार्ज

माही की गूंज, बरझर।

च.शै. आजाद नगर भाबरा थाना क्षेत्र की पुलिस चौकी बरझर में एक बार फिर फेर बदल हुआ है। जोबट थाने में पदस्थ रविन्द्र डांगी को पुलिस चौकी बरझर का प्रभारी बनाया गया है जिन्होंने पुलिस चौकी बरझर पहुंचकर चार्ज ले लिया है। इससे पहले बरझर चौकी प्रभारी जयराम वसुनिया ने कमान संभाल रखी थी। कुछ पारिवारिक कारणों के चलते जयराम वसुनिया ने स्वयं भाबरा थाने में पदस्थ करने की इच्छा जाहिर की थी। बरझर क्षैत्र गुजरात राज्य से सटा होने? से पुलिस चौकी क्षैत्र में लुट चौरी की वारदातों में काफी इजाफा होता है पुलिस के लिए बड़ी चुनौती होती है। वारदात का खुलासा भी पुलिस नहीं कर पाती है क्योंकि

बदमाश गुजरात राज्य के होते हैं और गुजरात राज्य कि पुलिस मप्र की पुलिस को सहयोग नहीं करती। जिसके चलते खासकर बरझर मे बड़ी चोरी की वारदातों का आज तक खुलासा नहीं हो पाया है। शराब गुजरात राज्य में सप्लाई को रोक पाना ऐसी चुनौती है जो नवागत चौकी प्रभारी रविन्द्र डांगी के लिए परेशानी का सबब होगी।

ठीक हो रहे गोवंश, शरीर पर बीमारी के निशान बाकी

माही की गूंज, आम्बुआ।

विगत महीनों से क्षेत्र में गौवंशो में लम्पी बीमारी फैली हुई है, जिनका इलाज पशुपालक सरकारी अस्पतालों के साथ-साथ निजी तौर पर दवाइयां खरीदकर करवा रहे हैं। बीमारी अभी पूरी तरह ठीक नहीं हुई है इसके बावजूद जो जो गौवंश ठीक हो रहे हैं उनके शरीर पर निशान देखे जा रहे हैं।

आम्बुआ ही नहीं अपितु संपूर्ण प्रदेश में विगत महीनों से गोवंशौ में लम्पी बीमारी फैली हुई है। जिस कारण आम्बुआ तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के कई गोवंश मर भी चुके हैं। प्रशासनिक तत्परता तथा पशुपालकों के चौकन्ना हो जाने के कारण त्वरित इलाज किया गया। शासकीय पशु औषधालय के चिकित्सक तथा कर्मचारी क्षेत्र में घर-घर जाकर वैक्सीनेशन किया तो कई पशुपालकों ने स्वयं के खर्च पर दवाइयां खरीद कर इलाज कराया, जिस कारण कई पशु मरने से बच गए। अभी क्षेत्र में बीमारी पूरी तरह से ठीक नहीं हुई है जो पशु ठीक हो गए हैं उनके शरीर पर बीमारी के निशान देखे जा सकते हैं। गोवंशो के शरीर पर काले काले निशान ऐसे दिखाई दे रहे हैं जैसे शरीर पर बंदूक के छर्रे लगे हो। चिकित्सकों के अनुसार गोवंशो के शरीर पर निशान कुछ समय तक रहेंगे जो कि धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगे। क्षेत्र में अभी भी कई ग्रामों में इलाज चालू है बीमारी अब नियंत्रण बताई जा रही है।

पशु स्वास्थ्य केंद्र आम्बुआ के डॉ. भाबोर ने बताया कि, अभी गोवंशो में लम्पी बीमारी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई पर नियंत्रण में है निशान भी ठीक हो जाएंगे।

दाऊदी बौहरा जमात ने निकाला जुलूस

माही की गूंज, आम्बुआ। कस्बे में 20 नवंबर को दाऊदी बोहरा जमात द्वारा अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को बंद कर अपने धर्मगुरु सैयदना बुरहानुद्दीन मौला की 112 मिलाद तथा वर्तमान धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन की 79 वी सालगिरह के उपलक्ष में मस्जिद प्रांगण से एक विशाल जुलूस स्काउट बैंड के साथ निकाला गया। जिसमें अपने धर्म गुरु के प्रति निष्ठा व्यक्त करने वाले नारों के साथ-साथ देश प्रेम के नारे गूंजे। जुलूस कस्बे से होता हुआ बस स्टैंड तथा फिर मस्जिद पर जाकर समाप्त हुआ तथा मस्जिद में विशेष नमाज अता की गई तथा धर्मगुरु सैयदना मुफद्दल हुसैन की लंबी उम्र की एवं देश में आपसी भाईचारा अमन चैन की दुआ की गई।

नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु विशेष प्रयास किए जाए- कलेक्टर सिंह

बीएलओ फलिया-फलिया पहुंचकर नवीन नाम जोडने की करें कार्रवाई

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर एवं जिला निवार्चन अधिकारी राघवेन्द्र सिंह ने मतदाता सूची के संक्षिप्त पुनरीक्षण 2023 के तहत नवीन मतदाताओं के मतदाता सूची में नाम जोडने की समीक्षा करते हुए प्रत्येक बीएलओ वार प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने समय सीमा में आयोग द्वारा लक्ष्यानुसार नवीन मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोडने की कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि, आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन संबंधित कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही अथवा लापरवाही बरदाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि जो भी बीएलओ नाम जोडने, त्रृटि सुधार, नाम हटाने आदि के फार्म लेकर ऑनलाइन कार्य करने में विलंब कर रहे है संबंधित को नोटिस जारी किए जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि, बीएलओ प्रत्येक दिन प्राप्त आवेदनों को उसी दिन ऑनलाइन करें। उन्होंने बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्य की नियमित मॉनिटरिंग के निर्देश देते हुए प्रतिदिन की बीएलओ वार प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। जेंडर रेशों को लेकर विशेष प्रयास के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि, जिले के समस्त हायर सेकंडरी स्कूलोंए होस्टलो, कॉलेज, पॉलिटेक्नीक, आईटीआई आदि में पढने वाले युवाओं के नाम मतदाता सूची में जोडे जाने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि, बीएलओ फलिया-फलिया सर्वे करते हुए नवीन मतदाता को जोडने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही नगरीय क्षेत्र में भी बीएलओ घर-घर पहुंचकर नवीन मतदाताओं के नाम जोडने की कार्रवाई सुनिश्चित करें।

बैठक में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निवार्चन अधिकारी सीएल चनाप, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

मूलभूत सुविधाओं के लिए सरकार से आस लगाए बैठे ग्रामीण

विधायक व कलेक्टर को निराकरण के लिए दिया आवेदन

माही की गूंज, सोंडवा।

ग्राम बोरवाला के ग्रामवासियों ने अलीराजपुर विधायक सभा क्षेत्र के विधायक मुकेश पटेल को ग्राम की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर आवेदन दिया है। आवेदन के माध्यम से मांग की गई कि, पेयजल समस्या के रूप में ग्राम बोरवाला के उण्डारा व सेमलिया खोदरा फलिया में पीने के पानी हेतु हैंडपंप खनन, सिंचाई हेतु सिंचाई तालाब/कपिलधारा कूप निर्माण, लाइट व्यवस्था, पहुंच मार्ग निर्माण स्वीकृति, संचालित शालाओं के लिए शाला भवन निर्माण की स्वीकृति तथा बिजली की निर्बाध सप्लाई सबंधी मांगे प्रमुख रूप से की गई। जिस पर विधायक मुकेश पटेल द्वारा मांगो का जल्द से जल्द निराकरण कराए जाने का आश्वासन ग्रामीणजनों को दिया गया।

कलेक्टर को दिया आवेदन

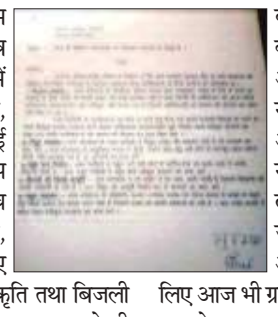

वहीं ग्राम पंचायत गुलवट क्षेत्र के ग्राम बोरवाला के ग्रामीण अपनी मांगों को लेकर कलेक्टर के पास भी आवेदन देने पहुंचे। उक्त समस्याओं को देखकर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि सरकार के बड़े-बड़े वादे तो थी लेकिन छोटे-छोटे वादे आज भी जमीनी स्तर पर नगण्य ही नजर आ रहे है। मूलभूत सुविधाओं ले लिए आज भी ग्राम बोरवाला के ग्रामीणों को दो-चार होना पड़ रहा है। सुविधाओं के वादों के नाम पर आज भी ग्रामीणजन जनप्रतिनिधियों से धोखा खाने को मजबूर है... !

कलेक्टर अध्यक्षता में आयोजित हुई समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक

माही की गूंज, अलीराजपुर।

कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में समय सीमा बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में कलेक्टर सिंह ने समयावधि लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए समय सीमा में निराकरण संबंधित निर्देश दिए। उन्होंने पैसा एक्ट के तहत ग्राम सभाओं के आयोजन और प्रशिक्षणों के आयोजन संबंधित तैयारियों आदि की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होने जिला स्तरीय अधिकारियों को भी पैसा एक्ट के संबंध में प्रशिक्षण देने के निर्देश दिए। उन्होंने जिले में निमार्णाधीन स्कूलों छात्रावासों भवनों की प्रगति की रिपोर्ट ली। उन्होंने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने विभिन्न विभागों के समयावधि पत्रों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने सीएम हैल्प लाइन में लंबित प्रकरणों की विभाग वार समीक्षा करते हुए समय सीमा में निराकरण संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निवार्चन अधिकारी सीएल चनाप, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभिन्न विभागों के विभागीय अधिकारीगण उपस्थित थे।

पंचायत क्षेत्र मोरी फलिया में सीसी रोड का हुआ भूमि पूजन

माही की गूंज, आम्बुआ।

ग्राम पंचायत क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्र मोरी फलिया में वर्षा काल में ग्रामीणों को आने-जाने में परेशानी होती थी। कीचड़ के कारण विगत वर्षों से रहवासी परेशान होकर मांग करते आ रहे थे कि यहां खरंजा मार्ग बनाया जाए, मगर आज तक किसी ने ध्यान नहीं दिया। नवनिर्वाचित सरपंच रमेश रावत ने इसे प्राथमिकता में लिया तथा यहां पर 9.40 मीटर लंबा 3.50 हजार की अनुमानित लागत से 15 वित्त मद से स्वीकृत मिली। सीसी रोड का भूमि पूजन सरपंच रमेश रावत द्वारा किया गया। फलिया वाले खुश है कि उन्हें अब अगली बरसात में कीचड़ से नहीं गुजरना पड़ेगा। भूमि पूजन के अवसर पर वार्ड पंच गर्दनसिंह, अजमेर सिंह, सुरेंद्रसिंह, विजयसिंह तथा ग्राम पंचायत सचिव बद्रीलाल भाबर, राजेंद्रसिंह ठाकुर, इंदरसिंह, सुरेंद्रसिंह तथा मोरी फलिया के रहवासी उपस्थित रहे।

खत्म हुई नायकी अब भानु के सहारे भाजपोदय की उम्मीद

माही की गूंज, खवासा। पवन पाटीदार

आखिरकार लंबे इंतजार के बाद भाजपा ने जिलाध्यक्ष को बदल ही दिया। अपनी नियुक्ति के साथ ही विवादों के घेरे में आए पूर्व भाजपा अध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक को कहने को तो प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य बनाकर प्रदेश में स्थान दिया गया है, जो बताया जा रहा है प्रमोशन। लेकिन राजनीतिक जानकारों का कहना है कि, प्रमोशन नहीं डिमोशन ही है। एक तरह से भाजपा ने अपनी रणनीति साफ करते हुए 2023 के विधानसभा और 2024 के आम चुनावों की तैयारियां आरंभ कर दी है और एक तीर से कई निशाने को साधने का प्रयास किया है। यह प्रयास कितना सफल होता है यह तो चुनाव परिणामों के बाद ही पता चल सकेगा लेकिन भाजपा ने स्पष्ट कर दिया है कि, राजनीति में गॉडफादर नहीं बल्कि सक्रियता, समर्पण और व्यवहारिकता अहम रोल अदा करती है।

भानु को मिला इनाम

तमाम राजनीतिक पंडित भानु भूरिया को जिलाध्यक्ष बनाए जाने पर उनके 2023 विधानसभा चुनावों से जोड़कर देख रहे हैं और कह रहे हैं कि भाजपा एक व्यक्ति एक पद के चलते उनको विधानसभा में चुनाव टिकट नहीं मिलेगा। वहीं कुछ लोग इसमें इफ्तेफाक नहीं रखते हैं और कहते हैं कि भानु भूरिया को क्षेत्र के कद्दावर नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के सामने उपचुनाव में टक्कर देने का इनाम मिला है, क्योंकि उस समय प्रदेश में भी कांग्रेस की सरकार थी और जगजाहिर है कि उपचुनाव में सरकार के सामने चुनाव लड़ना आसान नहीं होता है। एक तरह से भानु भूरिया ने कांतिलाल भूरिया के साथ ही सरकार को भी तगड़ी टक्कर दी थी और सरकार ने तमाम मंत्रियों को उपचुनाव के लिए भेजा था। यही नहीं पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि कांतिलाल भूरिया को जीता देना यह उनका आखिरी चुनाव है। उपचुनाव में

भाजपा की भले ही हार हुई लेकिन उसे भानु भूरिया के रूप में युवा, कर्मठ और सक्रिय नेता मिला। यही कारण है कि भाजपा ने भानु भुरिया को जिलाध्यक्ष बनाकर उन्हें उपचुनाव में कड़ी टक्कर देने का इनाम मिला है।

अब आगे क्या...?

भाजपा ने युवा नेतृत्व को आगे करके अपनी रणनीति स्पष्ट कर दी है। यही नहीं पार्टी के सीनियर लेकिन उदासीन नेताओं को भी स्पष्ट संकेत दिया है कि राजनीति में सक्रियता ही बहुत महत्वपूर्ण है। साथ ही भाजपा ने प्रयोगों पर विराम देते हुए एक बार फिर अजजा वर्ग से जिलाध्यक्ष बनाकर अजजा वर्ग के युवाओं को आकर्षित करने का प्रयास किया है।

विवादों से दूर रहना होगा भानु को

पिछले जिलाध्यक्ष अपने कार्यों से ज्यादा कारनामों के लिए चर्चित रहे थे, हालांकि उनके नेतृत्व में उन्होंने स्थानीय निकायों के चुनाव में पार्टी को अच्छी जीत दिलवाई लेकिन जिला पंचायत में 20 वर्षों का कांग्रेस का कब्जा समाप्त नहीं कर पाए। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को उम्मीद थी कि जिला पंचायत में इस बार कमल खिलेगा लेकिन ऐसा संभव नहीं हो पाया और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को लग रहा है कि वर्तमान नेतृत्व से 2023 का विधानसभा चुनाव नहीं जीता जा सकता है इसलिए पार्टी ने जिलाध्यक्ष, चुनाव के लगभग एक वर्ष पूर्व ही बदल दिया।

भाजपा में अब तक जितने भी जिलाध्यक्ष रहे लगभग सभी गुटबाजी का शिकार हुए है, यही नहीं विवादों से भी घिरे रहे तो कुछ चरित्रहीनता के आरोपो में भी घिरे रहे। अब नये जिलाध्यक्ष के रूप में पार्टी को उम्मीद है कि वे विवादों और चाटुकार से दूर रहकर केंद्र और राज्य सरकार के कार्यों को आम जनता के समक्ष पहुंचाए, अब वें इसमें कितना सफल हो पाते हैं यह तो चुनाव परिणाम ही बतला पाएंगे।

भानु की अग्निपरीक्षा तो अब हुई है प्रारंभ

गुटबाजी और छीटाकशी के अंगारों पर चलकर भविष्य संवारने की है चुनौती

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमील मंसुरी

कोई ढाई साल बाद अंततः भारतीय जनता पार्टी ने जिले को नया अध्यक्ष दे ही दिया। सार्वजनिक मंचो से लगातार कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के विरोध, विवादास्पद छवि के बावजूद शीर्ष भाजपा ने जिलाध्यक्ष के रूप में लक्ष्मणसिंह नायक को थोप रखा था। जिले के एकाधिक महिलाओं द्वारा चरित्रहीनता, अष्लीलता के आरोप, भाजपा में बढ़ती गुटबाजी, कार्यकर्ताओं ही नही अपितु पदाधिकारियों की नाराजगी के बावजूद नायक के जिलाध्यक्ष बने रहने पर राजनीतिक के ज्ञाता तरह-तरह के कारण बता रहे है। कोई कह रहा था कि, चरित्रहीन नायक को भाजपा के मातृ संगठन का सहारा, तो कोई पार्टी शीर्ष स्तर के खिलाफ होने का कारण बता रहा था। खैर शाम, दाम, दंड, भेद के बावजूद नायक, कार्यकाल के 6 माह पहले ही रवाना कर दिये गए और जिले के कमान आदिवासी युवा नेता भानु भूरिया के हाथो में सौंप दी।

उपचुनाव हारकर बहुत कुछ जीत लिया भानु ने

एक साधारण से कार्यकर्ता के रूप में भानु की सक्रीयता, पार्टी के पक्ष में लगातार कार्य का परिणाम भानु भूरिया को युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष के रूप में मिला था। भानु के लिये भाजयुमो जिलाध्यक्ष का पद पार्टी में उनके बढ़े कद की नींव साबित हुआ और भानु लगातार सक्रीयता, पार्टी द्वारा दिये गये कर्त्तव्यों का निर्वहन करते हुए राजनीति में मिली नई उंचाईयों को छुते रहे।

झाबुआ विधानसभा क्षेत्र के भाजपाई विधायक सांसद चुनाव में निर्वाचित होने के पष्चात रिक्त हुई झाबुआ विधानसभा सीट पर पार्टी चिन्ह से चुनाव लड़ने हेतु विकल्प और भी थे, किंतु पार्टी ने भानु पर भरोसा जताया। चूंकि सत्ता में कांग्रेस विराजित थी, इसीलिये विपरित परिस्थितियों में भाजपा के शीर्ष स्तरीय नेताओं ने भी उपचुनाव में भानु के लिये चुनावी कमान थाम रखी थी। चुनाव परिणाम भानु के पक्ष में तो नही आए, किंतु भानु का स्थानीय कुछेक नेताओं के माध्यम से मंत्री मण्डल ही नही अपितु संगठन के भी प्रदेष स्तरीय नेताओं से जीवंत संपर्क बन गया। लगातार संवाद का ही कारण रहा कि, भानु जिले से लेकर भोपाल तक एक जाना-माना चेहरा बन गया। अनुसूचित जनजाति को लगातार लाभांवित करने हेतु प्रयासरत मुख्यमंत्री स्वयं भानु से सीधे संवादित होने लगे तो अंचल के लिये एक-दो सौगाते भी भानु के प्रयास से ही धरातल पर उतरी। लगातार सक्रीयता, गुटबाजी से परे रहकर कार्यकर्ताओं ही नही अपितु जमीनी स्तर पर मतदाताओं की हर संभव मदद, युवाओं की बड़ी टीम, प्रदेष स्तरीय नेताओं से लगातार संवाद आदि ही जिलाध्यक्ष पद पर भानु की ताजपोषी का मुख्य कारण रहे।

सवर्ण वर्ग में मायूसी

आदिवासी युवा के जिलाध्यक्ष बनते ही सवर्णों में नाराजगी नही पर मायूसी छाई हुई है। अनुसूचित क्षेत्र होने से पंचायत से लेकर पालिर्यामेंट

तक के होने वाले निर्वाचनों में आरक्षण के अनुसार अधिकांष अनुसूचित जाति के लोगो की ही बाध्यता होती है। सवर्ण समाज के लिये कुछेक प्रतिनिधित्व अनारक्षित रहता भी है किंतु बड़े निवार्चन में अंचल के सवर्णो को कोई खास स्थान प्राप्त होना नामुमकीन सा है। ऐसे में पार्टी से जुड़े सवर्ण, संगठन में उंचे पद को लालयित रहते है। जिलाध्यक्ष पद को लेकर हर बार सवर्णो को यही मंषा रहती कि, पार्टी किसी भी सवर्ण को उक्त पद से नवाजे। किंतु कई बार परिस्थितियों के अनुरूप आदिवासी जिलाध्यक्षों ने पार्टी की कमान संभाली और भानु भी उनमें से ही एक है। आदिवासी जिलाध्यक्ष बनने से सवर्ण समाज में एक बार पुनः मायूसी सी छाई हुई है।

भानु उदय हुआ या होगा अस्त...?

जिले में भाजपाई जिलाध्यक्ष एक ऐसा संगठनात्मक पद है, जो गुटबाजी को लेकर हमेषा से विवादापस्द रहा है। कई जिलाध्यक्षों पर गुटबाजी के आरोप ने उनका कार्यकाल खराब किया गया है, तो कई जिलाध्यक्षों की तानाषाही ने भी उनके राजनैतिक जीवन का ह्रास किया है। इसके अतिरिक्त कई बार ऐसे मामले में भी सामने आए है, जिनमें महिलाओं का सहारा लेकर जिलाध्यक्षो के विरूद्ध षडयंत्र रचा गया अथवा पूरानी किए को वर्तमान में उजागर कर जिलाध्यक्ष की बली ले ली गई। जिलाध्यक्ष पद के लिये दावेदारों की हमेषा से भाजपा में भरमार रही है। इसीलिये पार्टी जिलाध्यक्ष कोई भी हो, एक से अधिक लोगो की आंखो में खटकता ही है। भाजपाई इतिहास को देखे तो पार्टी में जितने भी जिलाध्यक्ष रहे उनकी राजनीति का ह्रास ही हुआ है। कार्यकाल पूर्ण करने के बावजूद जिलाध्यक्ष रहे भाजपाई राजनीति में लगातार डूबते ही रहे और सहारा देने वाला कोई नही मिला। हालांकि पूर्व जिलाध्यक्षों में एकाध की सक्रीयता बनी रही किंतु उम्मीद अनुसार राजनैतिक कद बढ़ नही पाया। पूर्व जिलाध्यक्ष जिनमें शैलेष दुबे, निर्मला भूरिया, सुरेन्द्रसिंह मोटापाला, मनोहर सेठिया, दौलत भावसार, ओम प्रकाष शर्मा जैसे कई नाम है जो जिलाध्यक्ष रहने के बावजूद अपना राजनैतिक कद बड़ा नही कर पाए। विवादास्पद रहे लक्ष्मणसिंह नायक की स्थिति भी कुछ ऐसी ही होने वाली है। भानु भूरिया आने वाले विधानसभा चुनाव के लिये टिकिट हेतु सबसे भारी दावेदार माने जा रहे थे। किंतु अचानक जिलाध्यक्ष की ताजपोषी से हर कोई भानु उदय या अस्त के कयास लगा रहा है। वैसे भाजपाई इतिहास में जिलाध्यक्ष रहते विधानसभा की टिकिट पाने वाली एक मात्र नेता निर्मला भूरिया रही है और विधानसभा चुनाव में पराजित होने के बावजूद जिलाध्यक्ष की ताजपोषी का इतिहास भी भाजपा में रहा है। यही कारण है कि, भानु के विधानसभा चुनाव लड़ने पर पूर्ण विराम नही लगा है। खैर यह तो चुनाव के समय पार्टी तय करेगी किंतु पूर्व जिलाध्यक्षों की तरह जिलाध्यक्ष पद जाने के बाद स्वयं के राजनैतिक भविष्य की चिन्ता भानु को प्रारंभ कर देना चाहिये।

माडसाब आ गए पेंट-शर्ट में नई प्लेट लगवाकर

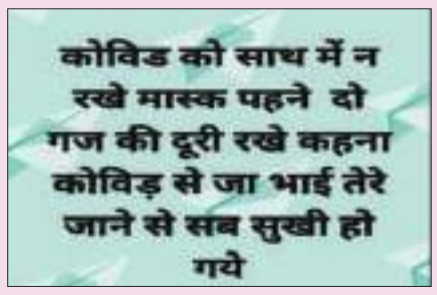

माडसाब से प्रदेष संगठन ने पद छीनकर प्रदेष कार्यसमिति सदस्य का लॉलीपाप थमा दिया है। हालांकि इससे पहले प्रदेष स्तरीय भाजपा, जिले के कई नेताओं को यह लॉलीपाप देकर ठंडा कर चुकी है। भानु के नए जिलाध्यक्ष की घोषणा होते ही गत दिनों जिलेभर में नये जिलाध्यक्ष के स्वागत कार्यक्रम में माडसाब भी पहुंच गए। इस बार माडसाब के वाहन की प्लेट बदल चुकी थी तो कुर्ता-पजामा ने भी पेंट-शर्ट का रूप धारण कर लिया था। कटाक्ष करने वाले भी कहा मानने वाले थे, नाड़ा ढीला हो जाता था पार्टी ने हुक दे दिया अब आसानी से नही खुलेगा आषय का चटकारे लेने लगे। हालांकि माडसाब की डोफाई इस कार्यक्रम में भी कम नही हो रही थी। जगह-जगह कार्यकर्ताओं को टरकाते फिर रहे थे और थांदला में एक पूराने भाजपाई नेता से पाला पड़ गया। नेता जो फिलहाल शायद माडसाब द्वारा थोपा गया निष्कासन झेल रहा था और कई बार सार्वजनिक मंच से माडसाब के किये कराए को भी उजागर करता आया था। पद जाने के बाद माडसाब का एक मिनट भी मान नही रख पाया और माडसाब पर चढ़त कर नई नवेली हैषियत याद दिला दी। हालांकि उपस्थित पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मध्यस्थता कर मामला शांत किया अन्यथा माडसाब की होली-दीवाली साथ में ही मन जाती। माडसाब की रवानगी की खबर सुनते ही भाजपाईयों ने सोषल मीडिया पर भी जमकर मजे लिये। भाजपाईयों में चर्चा तो यह भी है कि, माडसाब जितनी जल्दी खुद को वरिष्ठ मानकर बैठ जाए उतना ही अच्छा है, अन्यथा जिले में ऐसे भाजपाईयों की कमी नही है जो डोफाई करने वाले को दिन में तारे दिखा दे।

रिश्वतखोर जिला आयुष अधिकारी को चार साल की सजा

माही की गूंज, रतलाम।

लोकायुक्त द्वारा रिश्वत लेते गिरफ्तार तत्कालीन जिला आयुष अधिकारी डॉ. नीलम कटारा (40) पिता विजयसिंह कटारा को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश संतोष कुमार गुप्ता की अदालत ने चार साल के कारावास और एक हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। सात साल पहले 2015 में डॉ. कटारा चार हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार की गई थी।

रिटायर्ड कार्मचारी के भुगतान के लिए रिश्वत की थी मांग

विशेष लोक अभियोजक रोजर चौहान ने बताया कि, 26 अक्टूबर 2015 को आवेदक डॉ. सुरेशचन्द्र शर्मा पिता नानालाल शर्मा सेवानिवृत्त जिला आयुष अधिकारी ने लोकायुक्त उज्जैन में लिखित शिकायत आवेदन दिया था कि, 30 जून को सेवानिवृत्ति पश्चात उसे अव्यवसायी भत्ते की राशि करीब 8 लाख 96 हजार रुपये का भुगतान किया जाना है। डॉ. नीलम कटारा इस राशि के भुगतान के लिए 5 हजार रिश्वत की मांग कर रही है। इसके बाद 3 नवंबर 2015 को आरोपी को उसके जिला आयुष अधिकारी कार्यालय में डॉ. नीलम कटारा को आवेदक सुरेशचन्द्र से 4 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए लोकायुक्त के निरीक्षक प्रशांत मुकादम ने ट्रेप किया था। विवेचना में अपराध प्रमाणित पाए जाने पर आरोपी के विरूद्ध अभियोजन स्वीकृति प्राप्त कर विशेष पुलिस स्थापना लोकायुक्त ने अभियोग पत्र 8 जून 2017 को विशेष न्यायालय में प्रस्तुत किया था। विचारण उपरांत विशेष न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध पाते हुए उक्त सजा सुनाई।

मुनि सुव्रत स्वामी जिनालय के पांच दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव का 22 से हुआ शुभारंभ

आज होगा आचार्य श्री का मंगल प्रवेश

माही की गूंज,खवासा।

जिनेश्वर भगवंत एवं दादा गुरुदेव की असीम अनुकंपा, परम पूज्य गुरुदेव श्रीमद् विजय जयंत सेन सुरीष्वर जी म. सा. की कृपा एवं आशीर्वाद से खवासा का अति प्राचीन (लगभग 125 वर्ष पुराने) जिनालय का जीर्णोद्धार किया जाकर नवीन स्वरूप में निर्मित मुनीसुव्रत स्वामी जिनालय के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ दिनांक 22-11-22 मंगलवार को प्रारंभ हुआ।

जिसके अंतर्गत प्रथम दिवस विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए जिसमें समाज के लोग उत्साह पूर्वक शामिल हुए। पंच दिवसीय प्रतिष्ठा महोत्सव के प्रथम दिन कुंभ स्थापना, अखंड ज्योत स्थापना, ज्वार स्थापना, घर-घर तोरण वितरण, श्री महावीर पंच कल्याण महापूजन आदि कृार्यक्रम हुए। वहीं रात्रि में भजन संध्या आयोजित की गई। जिसमें मनमधुकर ग्रुप के गायक कैलाश गांधी और राजेंद्र सोनी द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई जिस पर समाजजन झूम उठे।

द्वितीय दिवस पर भी विभिन्न धार्मिक आयोजन मंदिर में किए गए। जिसमें विधिकारक एवं स्थानीय पंडित अशोक व्यास द्वारा विभिन्न धार्मिक क्रियाएं लाभार्थी परिवार द्वारा करवाई गई। दित्तीय दिवस में भी रात्रि में संगीतमय भक्ति कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें समाजजनों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

आचार्य श्री का मंगल प्रवेश आज

जिनालय की भव्य प्रतिष्ठा महोत्सव के लिए गच्छाधिपती श्रीमद् विजय नित्य सेन सूरीष्वर जी म.सा. का भव्य मंगल प्रवेश आज थांदला रोड से होगा जिसके लिए समाजजनों ने विशेष तैयारी की है। पूरे नगर को सजाया गया है, कई जगहों पर स्वागत द्वार बनाए गए हैं, गांव के प्रमुख मंदिरों पर आकर्षक विद्युत सज्जा की है। श्री संघ के सदस्यों ने बताया कि, आचार्य श्री का मंगल प्रवेश में बैंड-बाजे, ताशे, शहनाई और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ किया जाएगा। थांदला रोड से गांवो के मुख्य मार्गो से होते हुए आचार्य श्री का जैन मंदिर पर आगमन होगा।

वरघोड़ा 25 को, प्रतिष्ठा 26 को

कल वरघोड़ा निकाला जाएगा। जिसमें हाथी, घोड़ा, बैंड-बाजे, तासे, शहनाई आदि रहेगी वरघोड़ा सुबह 9 बजे स्थानीय जैन मंदिर से प्रारंभ होकर बजरंगबली मंदिर, गणेश मंदिर होते हुए श्रीराम मंदिर पहुंचेगा। श्री राम मंदिर से होते हुए नीम चौक से होकर पूनः जैन मंदिर पर आएगा। वरघोड़े के लिए अन्य समाजजनों द्वारा भी व्यापक तैयारियां की जा रही है, वहीं रात्रि में विभिन्न भक्ति पूर्ण आयोजन भी किए जाएंगे। 26 मगसर सुदी 3 सवंत 2079 दिनांक 26 नवंबर 2022 शनिवार को शुभ मुहूर्त में भव्य प्रतिष्ठा कार्यक्रम संपन्न होगा। इस अवसर पर फले चुंदरी, नगर चोरासी, नगर भोज का आयोजन भी रखा गया है। जिसके लाभार्थी कांतिलाल वागरेचा रहेंगे। श्री संघ के अध्यक्ष एवं नगर चोरासी के लाभार्थी कांतिलाल वागरेचा द्वारा अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्म लाभ लेने की अपील की है। वही जैन युवक परिषद द्वारा घर-घर जाकर पीले चावल द्वारा निमंत्रण दिया गया है।

परीक्षा सीसी की कॉपियां बिना जांचे ही कचरे के ढेर में

गंदा पानी पीने को मजबूर महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़

माही की गूंज, पेटलावद।

महावीर महाविद्यालय पेटलावद में सब कुछ गोलमाल चल रहा है। जिसका मामला नवनिर्वाचित जनभागीदारी अध्यक्ष के पदभार ग्रहण के दौरान ही सामने आ गया था। जब जनभागीदारी अध्यक्ष द्वारा महाविद्यालय में घूमकर वहां की कमियों को देख कर प्राचार्य को काम की सूची तैयार कर जरूरी सुधार करने को कहा गया था। महाविद्यालय प्राचार्य द्वारा दस दिन बाद भी कोई प्रयास इस दिशा में नही किये गए, न किसी प्रकार की कोई सूचना दी। बुधवार को जनभागीदारी अध्यक्ष विपिन शर्मा, कॉलेज के बच्चों को पीने के पानी मे हो रही समस्या निराकरण करने पहुँचे थे। जहां महाविद्यालय की छत पर रखी पानी की टंकी देखने गए तो कॉलेज के पीछे कचरे में इसी सत्र की प्रोजेक्ट की कॉपियां पड़ी हुई मिली, जिनको देखने पर पता चला कि, कॉलेज प्रशासन द्वारा बच्चों की कॉपियां बिना जांचे ही फेक रखी थी। महाविद्यालय के प्राचार्य को बुलाने के बाद भी काफी देर, टाल-मटोल कर मौके पर आने से कतराते रहे और अपनी जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ते रहे। इस दौरान महाविद्यालय में उपस्थित स्टाफ की जानकारी ली तो कई कर्मचारि उपस्थित नही मिले।

प्रोजेक्ट की कॉपियां इस तरह कचरे के ढेर में मिलने के बाद सवाल उठता है कि, आखिर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को किस प्रकार और किस आधार पर अंक दिए जाते हैं।

गंदा और दूषित पानी पीने को मजबूर, कंजी जमी मिली पानी में

महाविद्यालय में लगभग तीन हजार से अधिक छात्र-छात्राएं अध्ययनरत हैं। जिनके पीने के पानी की व्यवस्था के लिए महाविद्यालय की छत पर सेंटेक्स की टंकी लगी हुई है, जो दूषित हो रही थी। दस दिन पूर्व ही जनभागीदारी अध्यक्ष ने साफ-सफाई कर बच्चों को साफ पानी उपलब्ध करवाने की बात प्राचार्य को कही थी, लेकिन प्राचार्य ने इस ओर कोई ध्यान नही दिया। पानी की टंकी को देखने से पता लगा कि, कई दिनों से टंकी साफ नही हुई है और पानी मे कंजी तक जम चुकी हैं, मामला सामने आने के बाद प्राचार्य अपने स्टाफ पर बिल फाड़ते नजर आए।

नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रम में भाग लेने पहुँचे एसडीएम के सामने आया मामला

महाविद्यालय मे नशा मुक्ति अभियान के तहत महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को जागरूक करने के लिए अनुविभागीय अधिकारी अनिल राठौड़ भी उपस्थित थे। जहाँ महाविद्यालय के छात्र-छात्रोंओ ने महाविद्यालय में की जा रही लापरवाही से अवगत करवाते हुए नारेबाजी की।

जनभागीदारी अध्यक्ष विपिन शर्मा ने बताया कि, महाविद्यालय में की जा रही लापरवाही को लेकर उच्च अधिकारियों को अवगत करवाया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422